CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-161

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

इंदौर, रविवार 15 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

मित्र के साथ बैठना बहुत आसान है
परन्तु खड़े रहना बहुत ही मुश्किल है...

डेढ़ हजार बसों की क्षमता वाले स्टेशन को देखकर मुख्यमंत्री हुए खुश

सीएम बोले- नए बस स्टैंड में दिखेगी एयरपोर्ट जैसी झलक

इंदौर। मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार को इंदौर आए। उन्होंने अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया। वे सांची प्लांट गए। इसके अलावा सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में भी गए। सबसे पहले वे कुर्मेड़ी क्षेत्र में बन रहे नए इंटर स्टेट बस टर्मिनस (आईएसबीटी) का दौरा करने पहुंचे। डेढ़ हजार बसों की क्षमता वाले स्टेशन को देखकर मुख्यमंत्री खुश हुए और अफसर से कहा कि बस स्टेशन में एयरपोर्ट की झलक आ रही है। अधूरे शेड को देखकर मुख्यमंत्री ने पूछा कि अधूरा काम कब तक पूरा होगा। अफसर ने उन्हें बताया कि इस साल बस स्टेशन है काम इस साल पूरा हो जाएगा। राजस्थान,गुजरात, भोपाल की तरफ से आने वाली बसों की आवाजाही इस स्टेशन से होगी। मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में विकास के काम के काम हो रहे है। जनता की सुविधा के लिए इंदौर में नया बस स्टेशन भी बन रहा है। इसमें एयरपोर्ट जैसी झलक दिखेगी। यात्रियों के लिए यहां काफी सुविधाएं हैं। इस स्टेशन से डेढ़ हजार बसों की आवाजाही रहेगी। 80 हजार यात्रियों की क्षमता के हिसाब से इसे प्लान किया गया है। भविष्य में इसके विस्तार के 100 करोड़ के बजट का प्रावधान यहां रखा गया है। 35 से ज्यादा दुकानें यहां होगी। दस रेस्त्रां यहां बनाए जा रहे हैं। सिंहस्थ के समय इस बस स्टेशन का उपयोग होगा। यहां वाहनों की पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था भी रहेगी।

दिसंबर से शुरू होगा स्टेशन से बसों का संचालन

इंदौर विकास प्राधिकरण प्रशासक दीपक सिंह ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि दिसंबर से स्टेशन से बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। इस मौके पर आईडीए सीईअ?ो आरपी अहिरवार, चीफ इंजीनियर अनिल जोशी, कपिल देव भल्ला सहित अन्य अफसर मौजूद थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव का काफिला स्टेशन के बाहर मेट्रो ट्रेन के काम को देखने के लिए भी रुका। अफसरों ने बताया कि मेट्रो स्टेशनों का काम तेजी से चल रहा है। गांधीनगर से एयरपोर्ट की तरफ का काम भी जल्दी शुरू होने वाला है।

सागर के देवरी पुलिस थाना क्षेत्र के कोपरा गांव में हुई घटना, 3 महिलाओं और एक बच्ची का शव मिलने से फैली सनसनी

कुएं में फंदे पर लटकी थीं देवरानी-जेठानी पानी में मिले नानी-नातिन के शव

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक ही परिवार की तीन महिलाएं और 6 साल की एक बच्ची कुएं में मृत पाई गईं। इस बारे में जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो बहनों के शव कुएं के अंदर रस्सी से लटके पाए गए, जबकि रस्सी का दूसरा सिरा कुएं के बाहर स्थित लकड़ी के खंभे से बंधा था। वहीं इन दोनों की मां और उनमें से एक की बेटी का शव पानी में पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान भारती लोधी (29), आरती लोधी (35), भागवती बाई (65) और भारती की 6 साल की बेटी रोमिका लोधी के रूप में हुई है। भारती और आरती की शादी दो भाइयों से हुई थी, इसलिए रिश्ते में वे देवरानी-जेठानी भी लगती थीं। भागवती और भारती रिश्ते में मां-बेटी थीं। बताया जा रहा है कि करीब 15 दिन पहले इस परिवार की एक नवविवाहित महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद से परिवार में तनाव था। पुलिस ने बताया कि यह घटना हुई देवरी पुलिस थाना क्षेत्र के कोपरा गांव में हुई। प्रथम दृष्टया देवरी पुलिस को मामला आत्महत्या का लग रहा है। शवों को निकलवाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी और चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

रात में पति उठा तो गायब थी पत्नी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) लोकेश सिन्हा ने घटना के बारे में बताते हुए कहा, कल रात खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सोने चले गए।

अब किसान किसी भी दाम पर भारत से ज्यादा मात्रा में भेज सकेंगे विदेश

100 रुपए हो सकता है प्याज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है। सरकार ने प्याज से न्यूनतम निर्यात मूल्य की सीमा को हटा दिया है। यानी अब किसान भारत से ज्यादा मात्रा में प्याज किसी भी दाम पर विदेश भेज सकेंगे। सरकार के इस फैसले से किसानों को जरूर फायदा होगा लेकिन घरेलू बाजार में प्याज के दामों में उछाल देखा जा सकता है। क्योंकि पहले ही घरेलू बाजार में प्याज की आवक कम हैं। अभी खुदरा बाजार में प्याज के रेट 60-80 रुपए किलो तक चल रहे है। नई प्याज की फसल आने में थोड़ा वक्त है। ऐसे में एक बार फिर प्याज के रेट आम आदमी को परेशान कर सकते है। केंद्र सरकार के इस फैसले को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान महाराष्ट्र के किसानों ने भाजपा और उसके सहयोगी दलों को बड़ा झटका दिया था। क्योंकि सरकार ने प्याज के दाम में कमी करने के लिए अगस्त 2023 में पहली बार 40 परसेंट एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी। इसका पूरे महाराष्ट्र में जमकर विरोध हुआ था। किसानों और व्यापारियों ने मिलकर प्रदेश की कई सब्जी मंडियों को बंद रखा था। इसके बाद फिर सरकार ने इसी साल मई में 50 डॉलर प्रति टन की न्यूनतम निर्यात मूल्य वाली शर्त लगाई गई थी।

केंद्र सरकार से नाराज हैं प्याज की खेती वाले किसान

कई राज्यों में प्याज की खेती वाले किसान अभी भी केंद्र सरकार से नाराज है। क्योंकि हाल ही में उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने एक आदेश जारी किया है। इसमें मंत्रालय ने नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनसीसीएफ) और नेफेड को देश के विभिन्न शहरों में 35 रुपये प्रति किलो बेचने का निर्देश दिया है। सरकार के इस फैसले से भी किसान नाराज हैं। किसान संगठनों का कहना है कि जब बाजार और मंडियों में प्याज के दाम कम होता है तब सरकार गायब हो जाती है। किसानों की भरपाई करने के लिए कभी कोई निर्णय नहीं लेती है। लेकिन जब प्याज के रेट जरा से भी बढ़ जाते है तो उसे कम करने आ जाती है। इस बीच महाराष्ट्र के कई किसान संगठनों ने ऐलान किया है कि किसान महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार से बदला लेंगे। किसानों की इन नाराजगी को देखते हुए केंद्र सरकार ने प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य खत्म करने कम करने का फैसला लिया है, ताकि महाराष्ट्र के किसानों का गुस्सा शांत किया जा सके। क्योंकि महाराष्ट्र ही देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है।

जल्द दिखेगा मंडियों पर असर

केंद्र सरकार के इस निर्णय का सीधा असर मंडियों पर जल्द दिखाई दे सकता है। प्याज से न्यूनतम निर्यात मूल्य हटने के बाद प्याज उत्पादक राज्यों के किसान अच्छी गुणवत्ता प्याज वाले ज्यादा मात्रा में विदेश में बेचेंगे। इससे उन्हें प्याज की अच्छी कीमत मिलगी। वहीं अभी प्याज की नई फसल में आने में करीब दो से तीन माह का वक्त है। ऐसे में किसानों के पास जो अभी प्याज का स्टॉक है। उसे वह अच्छे दामों पर एक्सपोर्ट करेंगे। ऐसी स्थिति में प्याज भाव में उछाल देखने को मिल सकते है। अभी खुदरा बाजार में प्याज 60 से 80 रुपये प्रति किलो चल रही है।

जब तक मोदी है, आरक्षण व्यवस्था में रत्तीभर भी नहीं आएगी कमी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को कुरुक्षेत्र से अपने चुनाव प्रचार की शुरूआत कर दी। प्रधानमंत्री दोपहर बाद गीता की धरा से जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करने पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेलीकॉप्टर से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहुंचे जहां सीएम नायब सैनी उन्हें रिसीव करने गए। पीएम नरेंद्र मोदी मंच पर पहुंचे तो सीएम नायब सैनी ने पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने जय श्री कृष्ण और राम राम के संबोधन के साथ रैली में संबोधन शुरू किया। उन्होंने हरियाणवी अंदाज में कहा कि मन्नै इस पवित्र धरती पै आणकै घणा आच्छा लाग रया सै।पीएम मोदी ने मंच से कहा कि कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। भाजपा को बदनाम करने के लिए उसको भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है। इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है। आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को अब झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती है। कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबसे बड़ा लक्ष्य है। आज तो हालत ये हो गई है कि कांग्रेस के राज में कर्नाटक में गणपति जी को भी सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। पूरा देश आज गणेश उत्सव मना रहा है... और कांग्रेस

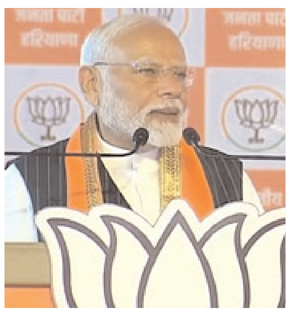

विघ्नहर्ता की पूजा में भी विघ्न डाल रही है।

ये रही भाषण की खास बातें

आरक्षण खत्म कर देगी कांग्रेस

पीएम ने कहा कि भारत में सबसे बड़ा दलित, ओबीसी और आदिवासी विरोधी अगर कोई है तो वो कांग्रेस का परिवार है। अभी इन लोगों ने कहा है कि अगर सरकार में आए तो दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। यही इस परिवार की सच्चाई है।

कांग्रेस ने किसानों और जवानों को धोखा दिया पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हितैषी भाजपा सरकार नई पेंशन स्कीम लेकर आई है। इसमें कर्मचारियों के लिए निश्चित पेंशन की गारंटी है। इस नई पेंशन स्कीम का व्यापक स्वागत हुआ है, सरकारी कर्मचारियों ने इस पर खुशी जताई है। कांग्रेस ने किसानों के साथ ही हमेशा देश की रक्षा करने वाले जवानों को भी धोखा दिया है। ये भाजपा सरकार ही है, जिसने पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन लागू की।

आरक्षण वाले नौकरी पाएंगे तो खराब हो जाएगी सरकारी सेवा की क्वालिटी

हरियाणा में नेहरू के रिजर्वेशन विरोध का पीएम मोदी ने किया जिक्र

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आरक्षण पर कांग्रेस के स्टैंड का जिक्र करते हुए बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि नेहरू जी जब पीएम थे, तो उन्होंने आरक्षण का विरोध किया था। इतना ही नहीं नेहरू जी ने ये भी कहा था कि आरक्षण वाले नौकरी पा जाएंगे तो सरकारी सेवा की क्वालिटी खराब हो जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के कुरुक्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कांग्रेस को जमकर निशाने पर लिया। पीएम ने कहा कि आपने मुझे दिल्ली में लगातार तीसरी बार सेवा करने में मदद की, और यहां के उत्साह और उत्साह को देखकर, यह स्पष्ट है कि हरियाणा ने भाजपा की हैट्रिक तय कर ली है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार आने का मतलब है। सबका विकास, तेज विकास। तीसरे टर्म में कुरुक्षेत्र को सांस्कृतिक पर्यटन का बड़ा सेंटर बनाने का हमारा अभियान तेज होगा। पीएम मोदी ने आरक्षण पर कांग्रेस के स्टैंड का जिक्र करते हुए बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि नेहरू जी जब पीएम थे, तो उन्होंने आरक्षण का विरोध किया था। इतना ही नहीं नेहरू जी ने ये भी कहा था कि आरक्षण वाले नौकरी पा जाएंगे तो सरकारी सेवा की क्वालिटी खराब हो जाएगी। नेहरू जी ने ओबीसी आरक्षण के लिए गठित काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। भाजपा को बदनाम करने के लिए उसको भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है। इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है।

एफबीआई के साथ मिलकर सीबीआई ने पकड़ा साइबर अपराधी

57 सोने की छड़ें, 16 लाख रुपये जब्त

नई दिल्ली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने खुद को तकनीकी सहायक बताकर एक अमेरिकी नागरिक से 4.5 लाख अमेरिकी डॉलर की ठगी करने के आरोपी को मंबई से गिरफ्तार किया है। आधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआई) के साथ समन्वय में साइबर अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन चक्र-3 चलाया जा रहा है और इसी के तहत सीबीआई ने एक जटिल वर्चुअल संपत्ति और सोना-चांदी आधारित साइबर अपराध नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जो 2022 से दूसरे देशों में लोगों को निशाना बना रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, गत दो दिनों में सात जगहों पर ली गई तलाशी के दौरान सीबीआई ने मुंबई से ठगी कर रहे कथित साइबर अपराधी विष्णु राठी के परिसरों से 100-100 ग्राम के 57 सोने के बिस्कुट, 16 लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन, क्रिप्टो करेंसी के प्रबंधन में इस्तेमाल होने वाला लैपटॉप, लॉकर के विवरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी को ऐसी सामग्री मिली है, जिससे पता चलता है कि यह अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क अपराध से की गई कमाई को वर्चुअल परिसंपत्तियों और सोने-चांदी में तब्दील कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने नौ सितंबर को राठी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पुरानी पेंशन की मांग 26 को देशभर में विरोध प्रदर्शन की तैयारी

लंबे समय से आंदोलन करने वाले कर्मचारी संगठन 'एनएमओपीएस' ने किया ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा एनपीएस में सुधार कर लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लेकर सरकार कर्मचारियों में आक्रोश कम नहीं हो पा रहा है। विभिन्न सरकारी कर्मचारी संगठन, पुरानी पेंशन यानी ओपीएस बहाली की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पुरानी पेंशन की मांग के लिए लंबे समय से आंदोलन करने वाले कर्मचारी संगठन एनएमओपीएस ने 26 सितंबर को देश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इससे पहले 15 सितंबर को सरकारी कर्मचारी ओपीएस की मांग को लेकर बापू के समाधि स्थल दिल्ली के राजघाट पर पहुंचेंगे। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के अनुसार, दिल्ली में राजघाट पर हजारों कर्मचारी पहुंचेंगे। ये कर्मचारियों के हितों की लड़ाई है। अब वे अपने हक की लड़ाई के लिए स्वयं आगे आएंगे। कर्मचारी, किसी का इंतजार नहीं करेंगे। वजह, केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए यूपीएस लागू करने की बात कही है। एनएमओपीएस एक ऐसा संगठन है, जो केवल ओपीएस के लिए लड़ रहा है। यूपीएस से सरकारी कर्मचारी बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। यूपीएस का गजट भी नहीं आया है। केंद्र सरकार ने अभी तक यूपीएस की जो खूबियां गिनाई हैं, वे कर्मचारियों को रास नहीं आ रही। पुरानी पेंशन व्यवस्था में यदि कोई कर्मचारी, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेता है तो उसकी पेंशन, सेवानिवृत्ति की तिथि से ही शुरू कर दी जाती थी, लेकिन अब यूपीएस में उसे 60 वर्ष के बाद पेंशन देने की बात कही गई है। इसका मतलब कोई कर्मचारी 45 साल में वीआरएस लेता है तो उसे 15 साल तक पेंशन मिलने का इंतजार करना होगा। महाराष्ट्र में लंबे समय से ओपीएस की लड़ाई लड़ने वाले महाराष्ट्र राज्य जुनी पेन्शन संघटना के राज्य सोशल मीडिया प्रमुख विनायक चौथे के मुताबिक, ओपीएस की लड़ाई जारी रहेगी। इस कड़ी में 15 सितंबर को शिरडी में पुरानी पेंशन राज्य महाअधिवेशन आयोजित किया जाएगा।

तीन दिनों तक होने वाली बैठक में शामिल होंगे कई महत्वपूर्ण पक्षकार

वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक 18 से

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड पर जमीन कब्जाने के ऐसे-ऐसे आरोप लग रहे हैं कि देश का एक बड़ा वर्ग इससे खौफ खाने लगा है। वैसे तो वक्फ बोर्ड की व्यवस्था को ही खत्म होने की मांग होती है, लेकिन कम-से-कम इसकी असीमित शक्तियों पर अंकुश लगाना तो अनिवार्य हो ही गया है। इसी वजह से केंद्र की मोदी सरकार ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 संसद में पेश किया है। लोकसभा ने इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा है जिसकी चार बैठकें हो चुकी हैं। अब मौका आ गया है कि पक्षकारों की राय जानने का। इसके लिए 18 से 20 सितंबर तक

लगातार तीन दिनों की जेपीसी की बैठक होगी। संसद भवन परिसर (पाल्यार्मेंट हाउस एनेक्स) में होने वाली बैठक में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अधिकारी विधेयक पर अपनी राय देंगे। फिर विभिन्न हितधारक समूहों और विशेषज्ञों से उनके विचारों और सिफारिशों के बारे में परामर्श किया जाएगा। विपक्षी दलों ने विधेयक का विरोध करने और संसद के आगामी सत्र में इसका समर्थन न करने का संकल्प लिया है, जिसके बाद इसे जेपीसी के पास भेज दिया गया। समिति को अगले सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। बहरहाल, तीन की बैठक के पहले दिन 18 सितंबर को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अधिकारी जेपीसी के सामने मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। अगले दिन, 19 सितंबर को समिति कुछ विशेषज्ञों और हितधारकों की राय और सुझाव सुनेगी।

पीड़िता दहशत में, नहीं दे पा रही बयान, पुलिस के दावों की खुली पोल

तीन आरोपियों को सरपंच ने कराया था सरेंडर, वीडियो वायरल

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। शहर के पास स्थित जामगेट पर फायरिंग रेंज में दो आर्मी अफसरों से लूट, मारपीट और एक महिला मित्र से कथित गैंगरेप केस के आरोपियों की गिरफ्तारी मामले में नया खुलासा हुआ है। तीन आरोपियों को पुलिस ने नहीं बल्कि सरपंच ने सरेंडर कराया है। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

मानपुर से वीडियो वायरल होने के मामले में एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी का कहना है की वीडियो सामने आया है। जो सरपंच वीडियो में बोल रहा है वह भी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। वीडियो को संज्ञान में लिया गया है अभी वीडियो की जांच की जा रही है।

इधर मामले में बड़गोंदा थाने की पुलिस लगातार युवती से संपर्क कर रही है। लेकिन युवती पुलिस को बयान नहीं दे रही है। सूत्रों के अनुसार युवती का कहना है की या तो मुझे गोली मार दो या आरोपियों को। शनिवार को बडगोंदा पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को महू न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस अब सभी आरोपियों को सीन रीक्रिएशन के लिए घटनास्थल ले जाएगी।

आरोपियों को चोरी-छिपे ले जाने की तैयारी में पुलिस

बताया जा रहा है कि पुलिस आरोपियों को जाम गेट स्थित घटनास्थल पर चोरी-छिपे ले जाने की तैयारी में है, जिससे आर्मी के अधिकारियों को इस बात की भनक न लगे। क्योंकि घटना के दूसरे दिन ही आर्मी के कई ट्रेनिंग अधिकारी आरोपियों की तलाश में बडगोंदा थाने पहुंचे थे। हालांकि जिस थाने पर आर्मी के अधिकारी गए थे, वह थाना पिछले कई महीनों से पुलिस ने बंद कर रखा है। इधर जामगेट की घटना और वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस नेता राकेश सिंह यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा का छपरिया पंचायत का सरंपच पति जामगेट में सामूहिक बलात्कार कांड के अपराधियों को छिपाने में शामिल है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सरपंच कहते हुए नजर आ रहे हैं अगर तुमने कुछ नहीं किया कोई तुम्हारा कुछ नहीं बिगड़ेगा, कोई तुम्हें नहीं मरेगा। गाड़ी में बैठों और थाने जाओ। इसी दौरान मौके पर पुलिसकर्मी भी मौजूद थे जो वीडियो में मुस्कराते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं इस वीडियो में पुलिस के दावे की भी पोल खुल रही है। दरअसल, पुलिस ने दावा किया था कि सभी आरोपियों को जंगल से टीम ने धर दबोचा है।

कांग्रेस ने पुलिस पर भी लगाए आरोप

इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राकेश सिंह ने बीजेपी और पुलिस दोनों पर आरोप लगाए है। यादव ने कहा कि भाजपा का छपरिया पंचायत का सरंपच पति जामगेट में सामूहिक बलात्कार कांड के अपराधियों को छिपाने में शामिल है। वहीं भाजपा के मानपुर मंडल अध्यक्ष एंव पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष का अपराधियों को खुला संरक्षण है। क्योंकि इस मामले में दोनों के निकट रिश्तेदार अपराधी है।

120 स्मार्ट क्लास रूम के साथ बदलेगी 64 साल पुराने शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की दशा

10 से ज्यादा प्रोफेशनल डिग्री कोर्स, एक साल ट्रेनिंग, कोर्स होते ही मिलेगी नौकरी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। 64 साल पुराने शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी) पूरी तरह बदल जाएगा। यहां मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनेगी। इसमें 120 स्मार्ट क्लास रूम होंगे। एक इनडोर स्टेडियम भी तैयार होगा। इस पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में अगले वर्ष से किसी भी ट्रेडिशनल कोर्स की सीटें नहीं बढ़ेंगी, बल्कि दस से ज्यादा नए प्रोफेशनल डिग्री कोर्स शुरू होंगे।

सेक्टर स्किल काउंसिल के जरिये ये शुरू होंगे। इन कोर्स में पढ़ाई पूरी होने से पहले जॉब पक्की हो जाएगी। अलग-अलग तीन वर्षीय कोर्स दो साल पढ़ाई और थर्ड ईयर में छात्रों को एक साल की अप्रेंटिसशिप (कम्प्लीट ट्रेनिंग) मिलेगी। इन छात्रों को सेक्टर स्किल काउंसिल ही मल्टी नेशनल कंपनियों में अवसर दिलवाएगी। प्राचार्य डॉ. प्रकाश गर्ग के मुताबिक ज्यादातर छात्रों को तो वही कंपनियां कोर्स पूरा होने से पहले जॉब दे देंगी, जो सालभर उन्हें ट्रेनिंग देंगी। बाकी के लिए भी सेक्टर काउंसिल मदद करेगी।

ऐसे बदल रही पीएम एक्सीलेंस कॉलेज की सूरत

कॉलेज में पढ़ाने के लिए अलग-अलग फील्ड के एक्सपर्ट आएंगे प्रोफेसर डॉ. डीके गुप्ता कहते हैं कि आईआईटी दिल्ली के साथ एमओयू के तहत मशीन लर्निंग और एआई सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे। न्यूनतम एक माह के इस कोर्स का सर्टिफिकेट भी छात्रों को मिलेगा। इसके अलावा हर छात्र को यूजी-पीजी के पूरे कोर्स के दौरान तीन माह के स्पेशल सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाए जाएंगे, ताकि कैंपस प्लेसमेंट या पर्सनल लेवल पर जॉब ढूंढने के दौरान उनके पास कोई न कोई स्किल से जुड़े प्रमाण-पत्र रहें।

ट्रेडिशनल कोर्स की सीटें नहीं बढ़ेगी

सीनियर प्रोफेसर व स्वामी विवेकानंद करियर गाइडेंस सेल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आदित्य लुणावत कहते हैं संस्थान का फोकस तीन बिंदुओं पर रहेगा। पहला एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए नियमित क्लासेस में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करना।

दूसरा प्रोफेशनल जॉब ओरिएंटेड कोर्स ज्यादा संख्या में शुरू करना। तीसरा स्पोर्ट्स पर फोकस रहेगा। अभी आउटडोर गेम्स की सुविधा है, लेकिन अब इनडोर स्टेडियम भी बनाएंगे, ताकि स्टेट व नेशनल लेवल के खिलाड़ी तैयार किए जा सकें।

एमवाय अस्पताल में छेड़छाड़ के आरोप के बाद लापता हुए डॉक्टर का 48 घंटे बाद भी नहीं चला पता

100 से ज्यादा जूनियर डॉक्टरों ने अस्पताल मैनेजमेंट के खिलाफ किया प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर में एमवाय अस्पताल से लापता डॉ. हेमंत गिरवाल (40) का 48 घंटे बाद भी पता नहीं चला है। शनिवार सुबह करीब 11 बजे 100 से ज्यादा जूनियर डॉक्टर्स ने अस्पताल मैनेजमेंट के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सीनियर डॉक्टर्स से उनकी बहस हो गई। बात हाथापाई तक पहुंच गई।

दरअसल, एमवाय अस्पताल में पदस्थ डॉ. हेमंत कुमार गिरवाल गुरुवार दोपहर से लापता हैं। तीन दिन पहले एक अन्य यूनिट की सीनियर महिला डॉक्टर से वे टकरा गए थे। इस पर महिला डॉक्टर ने उन्हें सार्वजनिक रूप से लताड़ा था। उन्होंने छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया था। साथ ही कमेटी के सामने माफीनामा लिखवाया था। तभी से डॉ. गिरवाल खुद की काफी बेइज्जती महसूस कर रहे थे। डॉक्टरों ने बताया कि डॉ. गिरवाल पर आरोप लगाने वाली सीनियर महिला डॉक्टर दो साल में चार से पांच मेल डॉक्टर के खिलाफ शिकायत कर चुकी हैं। वे अपने पद की ठसक दिखाने के लिए ऐसा करते रहती हैं। डिपार्टमेंट की तरफ से उन पर एफआईआर होनी चाहिए।

महिला डॉक्टर ने कमेटी के सामने माफी मंगवाई

डॉ. गिरवाल से विवाद के बाद सीनियर डॉक्टर ने महिला सुरक्षा को लेकर बनी कमेटी में शिकायत कर दी थी। डॉ. गिरवाल को बयान के लिए बुलाया गया, तब उन्होंने कहा कि मैं जानबूझकर नहीं टकराया और न ही छेड़छाड़ की। महिला डॉक्टर ने उन्हें कमेटी के सामने भी खूब जलील किया। डॉ. गिरवाल ने लापता होने से पहले एक लेटर छोड़ा है, जिसमें लिखा है कि टक्कर को छेड़छाड़ बताकर मुझे प्रताड़ित किया गया। इससे बेहद शर्मिंदगी महसूस कर रहा हूं।

आर्मी के जवान ने बैंककर्मी के पत्नी से की हैवानियत

दुष्कर्म के बाद प्राइवेट पार्ट में डाल दिया कांच का गिलास, आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। शहर में एक आर्मी के जवान ने एक बैंककर्मी की पत्नी के साथ बर्बरतापूर्ण तरीके से दुष्कर्म किया। आरोपी ने न केवल महिला के साथ दुष्कर्म किया बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट में कांच का गिलास भी डाल दिया। इस घटना के बाद महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, यह घटना शुक्रवार देर रात एबी रोड स्थित एक होटल में हुई। बताया जा रहा है कि आरोपी संजय यादव ने महिला को एक होटल में मिलने के लिए बुलाया था। वहीं पर उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया फिर बाद में उसके प्राइवेट पार्ट में कांच का गिलास डाल दिया। पीड़िता ने शनिवार को महिला थाने में जाकर इस घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी संजय यादव को गिरफ्तार कर लिया है। महिला थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने बताया कि पीड़िता और आरोपी की मुलाकात एक साल पहले महू आर्मी कैंटीन में हुई थी। शुक्रवार को आरोपी पीड़िता से मिलने इंदौर आया था। दोनों एक होटल में रुके थे, जहां आरोपी ने यह घिनौना कृत्य किया।

पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला को ब्लैकमेल भी करता था और उससे कुछ रुपए भी ले चुका है। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी संजय यादव को होटल से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और वर्तमान में असम में नायक के पद पर तैनात है।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं को नहीं बुलाया, यूनिवर्सिटी को दिया शिकायत पत्र

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के निमंत्रण पर बवाल

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में 19 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आएंगी। वे यहां पर छात्रों के दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। कार्यक्रम के लिए शहर के प्रमुख लोगों को निमंत्रण भेजे जाना शुरू हो गए हैं। कांग्रेस नेताओं और शहर के अन्य वरिष्ठों को निमंत्रण नहीं मिलने से इस पर बवाल हो रहा है। नाराजगी जाहिर करने के लिए इस बाबद ज्ञापन भी सौंपा गया है।

विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यपरिषद सदस्य तेज प्रकाश राणे ने बताया कि महामहिम राष्ट्रपति महोदय 19 सितंबर को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में भाग लेने आ रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को निमंत्रण ना भेजने एवं नजरअंदाज किए जाने के विरोध में विश्वविद्यालय को शिकायत पत्र दिया गया है। राणे ने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़े कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को भी इसमें नहीं बुलाया गया है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल यादव, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता उमंग सिंघार और अन्य छात्र नेताओं एवं पूर्व कार्य परिषद सदस्यों को कार्यक्रम का निमंत्रण नहीं भेजा गया।

यूनिवर्सिटी भाजपा कार्यालय के रूप में काम कर रही

राणे ने कहा मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्रियों के इशारों पर विश्वविद्यालय प्रशासन भाजपा कार्यालय के रूप में काम कर रहा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का कार्यक्रम गैर राजनीतिक है। हम सब सहयोग करने के लिए तैयार हैं एवं सभी दालों के वरिष्ठ नेता एवं विश्वविद्यालय से जुड़े छात्र नेताओं को आमंत्रित करना चाहिए। इसी संबंध में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति डा. रेणु जैन के नाम शिकायत पत्र दिया गया है। इसमें हमने लिखा है कि तत्काल अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं को भी आमंत्रित किया जाए। इसके साथ डीएवीवी से पढ़े अधिकारी, न्यायाधीश, समाजसेवियों को भी आमंत्रित किया जाए।

सभी उपयुक्त लोगों को निमंत्रण जाएगा

प्रभारी कुलपति डॉ. रजनीश जैन एवं छात्र कल्याण विभाग के अध्यक्ष डॉ लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने कहा कि शिकायत पत्र लिया गया है।

कार्यक्रम के लिए उपयुक्त सभी लोगों को निमंत्रण भेजा जा रहा है। कुलपति के संज्ञान में लाकर इस पर क्रियान्वयन करेंगे।

26.5 एकड़ का होगा खजराना गणेश मंदिर कैंपस, श्रद्धालुओं के लिए 5 खास सुविधाएं भी

खजराना गणेश मंदिर में महाकाल मंदिर की तर्ज पर बनेगा मंडप

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। शहर के खजराना गणेश मंदिर का कैंपस 8.5 एकड़ से बढ़कर 26.5 एकड़ में बनेगा। मास्टर प्लान के मुताबिक 18 एकड़ जमीन में इसका विस्तार होगा। उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज पर नागर शैली में बड़ा मंडप बनाया जाएगा।

श्रद्धालुओं के लिए 10 हजार वर्गफीट में क्लॉक रूम, विश्राम गृह, फीडिंग रूम, डे केयर रूम के साथ प्राथमिक उपचार कक्ष भी बनेगा। ??????ये काम ?सिंहस्थ-2028 के पहले हो जाएंगे। मंदिर के पुराने स्वरूप से कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह और मंदिर प्रबंध समिति ने इसे प्रारंभिक मंजूरी दी है। प्लान के अनुसार अन्न क्षेत्र और शेड भी नागर शैली में विकसित किया जाएगा। प्लान में नया भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा, सुविधाजनक पार्किंग, छायादार पेड़ और रोटरी बनेगी। पहले से बने मार्ग यथावत रहेंगे। स्थानीय वातावरण के हिसाब से पेड़-पौधे लगाए जाएंगे।

दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए बनेगा रैंप

पहले से बनी हुई प्रसाद दुकानों के ऊपर नया शेड बनेगा, जो बारिश और धूप से भक्तों को बचाएगा। मंदिर के आगे एक विशाल भवन का निर्माण होगा, जिसमें महाकाल की तर्ज पर रैंप भी बनेगा।

इससे दिव्यांग, बुजुर्ग और बच्चे भी आसानी से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए विशेष मार्ग बनेगा।

20 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खजराना गणेश मंदिर के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण पर 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि खर्च होने का अनुमान है। वास्तविक खर्च के बारे में अभी अनुमान लगाया जा रहा है। प्रबंध समिति की अगली बैठक में इस राशि के बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मास्टर प्लान पर होने वाले खर्च को मंदिर में आने वाली दान राशि और भक्तों के सहयोग से पूरा किया जाएगा। जिला प्रशासन ने एक्सपर्ट की मदद से यह प्लान तैयार करवाया है, जिसे जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा और लोगों के सुझाव भी बुलाए जाएंगे।

40वें स्थापना दिवस पर सदस्यता अभियान की करेंगे शुरूआत, नारी न्याय और महिला सशक्तिकरण का लेंगे संकल्प

महिला कांग्रेस की नई वेबसाइट आज होगी लॉन्च

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारतीय महिला कांग्रेस रविवार (15 सितंबर) को 40वां स्थापना दिवस मनाएगी। यह स्थापना दिवस मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस हर्ष और उल्लास के साथ मनाएगी। साथ ही इस दिन महिला कांग्रेस संगठन की नई वेबसाइट लॉन्च की जाएगी और महिला कांग्रेस द्वारा सदस्यता अभियान की भी शुरूआत होगी। यह जानकारी पीसीसी भोपाल में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की समन्वयक मप्र प्रभारी सुनीता गावंडे और मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल ने संयुक्त पत्रकार वार्ता दी। विभा पटेल ने कहा कि महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस के सुअवसर पर महिला कांग्रेस नेत्रियों द्वारा नारी न्याय और महिला सशक्तिकरण का संकल्प दोहराया जाएगा। यह महिला कांग्रेस की वचनबद्धता है। अभा महिला कांग्रेस के निर्देश पर प्रत्येक राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश, सहित महिला कांग्रेस मुख्यालयों से लेकर सभी जिला एवं ब्लाक अध्यक्षों, कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा 40 वां स्थापना दिवस मनाएंगे। विभा पटेल ने कहा कि

मध्य प्रदेश महिला की तमाम पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिला एवं ब्लाक की पदाधिकारी, सदस्य महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करने और महिलाओं के अधिकारों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराएगी। विभा पटेल ने कहा कि इस मौके पर संविधान का (106वां) संशोधन अधिनियम जो महिलाओं के प्रति भाजपा के विश्वासघात का प्रतीक है। इस संशोधन अधिनियम में कुटिल प्रावधान हैं, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों के आरक्षण को 2029 के बाद ही लागू होंगे। महिला कांग्रेस इन कुटिल प्रावधानों को हटाने और संशोधन अधिनियम को तुरंत लागू करने की मांग करेगी।

ऑनलाइन रहेगा सदस्यता अभियान

विभा पटेल ने बताया कि स्थापना दिवस पर महिला कांग्रेस द्वारा सदस्यता अभियान की शुरूआत की जायेगी। यह सदस्यता अभियान पूरी तरह से ऑनलाइन रहेगा। 15 सितंबर के ही दिन राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की वेबसाइट की भी शुरूआत होगी। इस वेबसाइट के माध्यम से हर वर्ग की महिलाएं 5 साल तक के लिए महिला कांग्रेस की सदस्य बन सकती हैं। विभा पटेल ने बताया कि मात्र 100 रुपये की ऑनलाइन फीस जमा कराते ही हर महिला सदस्य को एक सदस्यता सर्टिफिकेट (रसीद) भी उसी समय ऑनलाइन प्राप्त होगी। सदस्यता अभियान के प्रचार प्रसार के लिए पोस्टर, पंपलेट, बैनर, सोशल मीडिया जैसे साधनों का भरपूर इस्तेमाल करेंगे। इस अभियान को सफल बनाने केंद्रीय स्तर पर एक पर्यवेक्षक के रूप में सुनीता गावंडे जी भी हमारे साथ हैं।

सरकार से महिला कांग्रेस की मांग

पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की मांग है कि उच्चपदों पर अधिकतम महिलाओं को नियुक्ति मिले। महिलाओं के वेतन में भेदभाव को रोकने के लिए ह्यसमान काम, समान वेतनह्न का सिद्धांत लागू किया जाए ।महिला कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 और घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 जैसे महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों को सख्ती से लागू किया जाए। महिला कांग्रेस की मांग है कि वर्ष 2025 से महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की आधी (50 प्रतिशत) नौकरियां आरक्षित की जाए। इसके अलावा मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस महिलाओं को उनके अधिकारों को लेकर शिक्षित करेगी और उनके कानूनी अधिकार दिलाने में सहयोग करेगी।

प्रदेश में 1 जून से 13 सितंबर तक औसत से 17त्र अधिक बारिश दर्ज की गई

प्रदेश में कल से फिर शुरू हो सकता है भारी बारिश का दौर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में बारिश से थोड़ी राहत मिल गई है। हालांकि जबलपुर समेत कई जिलों में बारिश दर्ज की गई वहीं राजधानी भोपाल में दिन भर मौसम साफ रहा। मौसम विभाग की माने तो अगले तीन दिन तक भारी बारिश से प्रदेश में राहत रहेगी। 16 सितंबर से एक बार फिर से भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के आंकड़े को देख तो मध्य प्रदेश में 1 जून से 13 सितंबर तक औसत से 17त्र अधिक बारिश दर्ज की गई है। वहीं पूर्वी मध्य प्रदेश औसत से 12त्र अधिक पानी गिर चुका है। जबकि पश्चिमी मध्य प्रदेश औसत से 21त्र अधिक बारिश हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को ग्वालियर, चंबल, जबलपुर संभाग के जिले कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला और डिंडोरी में

कहीं-कहीं मध्यम बारिश हो सकती है। शेष क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

यहां बिजली के साथ मध्यम आंधी आने की संभावना

मध्य प्रदेश मौसम विभाग ने प्रदेश में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है जिसके अनुसार बालाघाट, भिंड, रायसेन, राजगढ़, सागर, दतिया रतनगढ़, शिवपुरी, श्योपुर कलां, निवाड़ी ओरछा में बिजली के साथ मध्यम आंधी आने की संभावना है। साथ ही भोपाल में हल्की आंधी और बारिश की संभावना है। विदिशा, सीहोर, देवास, इंदौर, ग्वालियर, मुरैना, टीकमगढ़, छतरपुर खजुराहो, सिंगरौली, सीधी, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी, गुना, अशोकनगर, दमोह, नर्मदापुरम पचमढ़ी, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, आगर, शाजापुर, नरसिंहपुर, खंडवा ओंकारेश्वर, खरगोन, बुरहानपुर, जबलपुर, रीवा, मऊगंज, सतना चित्रकूट, मैहर, पन्ना, के अनूपपुर, मंडला, हरदा डिंडोरी में हल्की बारिश हो सकती है।

आज स्ट्रांग सिस्टम होगा एक्टिव

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में 15 सितंबर से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इसका असर 16 सितंबर से प्रदेश में देखने को मिलेगा। यह सिस्टम भी स्ट्रॅान्ग रहेगा।मौजूदा सिस्टम उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ गया है। हालांकि, अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर-चंबल और जबलपुर संभाग में इसका असर रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष चीफ जीतू पटवारी के बयान पर साधा निशाना, कहा- रस्सी जल गई लेकिन ऐंठन नहीं गई

अधिकारियों-कर्मचारियों का अपमान नहीं सहेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों पर सख्त मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्थन में दिखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसी के द्वारा भी अधिकारियों और कर्मचारियों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नर्मदापुरम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अधिकारियों को लेकर बयान दिया था। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने शनिवार को पलटवार करते हुए कहा कि रस्सी जल गई लेकिन बट नहीं गया। पिछले 20 सालों से कांग्रेस प्रदेश में सत्ता से बाहर है। बीच में कुछ समय मिला लेकिन सरकार चला नही पाएं और अब भी जिस तरीके से कर्मचारी और अधिकारियों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष ने नर्मदापुरम में जो भाषा बोली है, वह समूचे कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए अपमान है। उन्होंने जीतू पटवारी से कहा कि उनको माफी मांगना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में किसी के भी द्वारा अधिकारी-

कर्मचारियों का अपमान उचित नहीं है। राज्य सरकार के अधिकारी-कर्मचारी निष्ठा और शिद्दत से कार्य कर रहे हैं। सरकार सभी वर्गों की बेहतरी के लिए सभी को साथ लेकर चल रही है। डॉ. यादव ने कहा राज्य सरकार सभी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ खड़ी है। सरकार के लिए उनकी निष्ठा और व्यवस्था पर कोई प्रश्न नहीं उठा सकता है। वह बेखौफ होकर, जनता की बेहतरी के लिए काम करें। राज्य सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसी प्रकार से ठोस काम करती रहेगी।

यह था मामला

नर्मदापुरम में शुक्रवार को किसान न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा था कि होशंगाबाद का कलेक्टर का स्टिंग होगा तो वह बताएगा कि उसने कितने पैसे कलेक्टरी के लिए दिए है। एसपी, तहसीलदार, थाना प्रभारी की अंतरआत्मा में जाओगे तो पता चलेगा कि एक भी अधिकारी बिना पैसे के नहीं आता है।

आरजीपीवी के कुलगुरु बने प्रो. राजीव त्रिपाठी

6 माह से खाली था पद, एमसीए का आयुक्त को अस्थाई प्रभार

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में काफी समय बाद नए कुलगुरु की नियुक्ति हो गई है। यह पद पिछले छह माह से रिक्त था। प्रो. राजीव त्रिपाठी को आरजीपीवी का नया कुलगुरु बनाया गया है। वह फिलहाल यूपी के प्रयागराज में स्थित मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं।

आरजीपीवी में कुलगुरु के तौर पर उनका कार्यकाल चार वर्ष होगा। शुक्रवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उनकी नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। वह जल्द ही पदभार ग्रहण करेंगे।

इधर एमसीयू में जनसम्पर्क आयुक्त सुदामा खाड़े को स्थाई कुलगुरु की जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि आरजीपीवी के तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार गुप्ता ने 19.48 करोड़ रुपये के एफडी घोटाले में नाम आने के बाद इसी साल मार्च में पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद से ही यह पद खाली था है। प्रोफेसर सुनील कुमार के इस्तीफे के बाद आरजीपीवी में कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी संकाय की संकायाध्यक्ष रूपम गुप्ता को कुलपति का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था।

जनसम्पर्क आयुक्त को एमसीयू का अतिरिक्त प्रभार विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल ने आदेश जारी कर जनसम्पर्क आयुक्त

सुदामा खाड़े को स्थाई कुलगुरु की नियुक्ति होने तक माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का अपने कार्य के साथ साथ अस्थाई प्रभार सौंपा गया है। दरअसल एमसीयू के कुलपति केजी सुरेश का कार्यकाल 14 सितंबर को समाप्त हो रहा है। इस वजह से यह प्रभार जनसंपर्क आयुक्त को दिया गया।

हज यात्रा के नाम पर ट्रैवल एजेंट ने लिया था झांसे में

बुजुर्ग दंपती से ठगे थे साढ़े नौ लाख, दो माह बाद केस दर्ज

भोपाल। हज यात्रा पर ले जाने के नाम पर ऐशबाग में एक ट्रैवल एजेंट ने बुजुर्ग दंपती से साढ़े नौ लाख रुपये की ठगी कर दी। दंपती ने विगत जून में हज यात्रा पर जाने के लिए ट्रैवल एजेंट को एडवांस रकम दी थी। जब उन्हें निर्धारित तारीख पर यात्रा पर नहीं ले जाया गया और न ही रुपये वापस किए गए तो उन्होंने जुलाई में ट्रैवल एजेंट के विरुद्ध ऐशबाग थाने में शिकायती आवेदन दिया था। जांच के बाद शुक्रवार को पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपित पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। ऐशबाग थाना पुलिस के अनुसार शाहिद हसन सरकारी रिटायर्ड अधिकारी हैं। वह अपनी बेगम के साथ हज यात्रा पर जाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने विगत जून माह में होने वाली हज यात्रा के लिए ऐशबाग क्षेत्र के ट्रैवल एजेंट रफीक से संपर्क किया था। रफीक के उन दोनों के आने-जाने के टिकट व अन्य व्यवस्थाओं के लिए साढ़े नौ लाख रुपये का खर्च बताया था। इस राशि को शाहिद ने अलग-अलग किश्तों में रफीक को अदा कर दिया था। परंतु हज पर जाने की तारीख आने के बावजूद उन्हें यात्रा पर नहीं ले जाया गया। बाद में उन्होंने एजेंट से राशि वापस मांगी तो उन्हें रकम भी नहीं लौटाई गई। जिसके बाद जुलाई महीने में उन्होंने ट्रैवल एजेंट रफीक की शिकायत की। पुलिस ने करीब दो महीने की जांच के बाद आरोपित ट्रैवल एजेंट के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- भाजपा में मंत्रियों और सांसदों के बीच चल रही गलाकाट प्रतिस्पर्धा

राज्य मंत्री से पहले सांसद का नाम लिखने पर संचालक को नोटिस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। रायसेन जिले के अशासकीय अभिनव गरिमा विद्या निकेतन उमावि देवरी विकासखण्ड-उदयपुरा के प्राचार्य ने 5 सितंबर को एक कार्यक्रम में नरेन्द्र शिवाजी पटेल राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मप्र. शासन का नाम दूसरे स्थान पर तथा संसद सदस्य दर्शन सिंह चौधरी का नाम प्रथम स्थान पर अंकित किया गया जिसके बाद स्कूल संचाल और प्राचार्य की परेशानी बढ़ गई है। रायसेन जिला शिक्षा अधिकारी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसे लेकर कांग्रेस ने कहा है कि बीजेपी की कलह बाहर आ रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा कि भाजपा में मंत्रियों और सांसदों के बीच गलाकाट प्रतिस्पर्धा चल रही है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा- ये भाजपा में मंत्रियों और सांसदों के बीच चल रही गलाकाट प्रतिस्पर्धा है या जलन की भावना। एक राज्यमंत्री को अपनी ही पार्टी के सांसद से इतनी खुन्नस है कि उन्होंने बकायदा नोटिस दिलवाया। सिर्फ नोटिस ही नहीं दिया, स्कूल संचालक को भी धमकाया गया है। मामला उदयपुरा के स्कूल में शिक्षक दिवस के आमंत्रण पत्र पर राज्य मंत्री नरेंद्र शिवजी पटेल के पहले सांसद दर्शन चौधरी के नाम लिखने पर विवाद का है।

यह लिखा नोटिस में

अशासकीय अभिनव गरिमा विद्या निकेतन उमावि देवरी विकासखंड-उदयपुरा के प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस में लिखा गया है कि एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है, कि दिनांक 05 सितम्बर 2024 को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में संस्था में आयोजित कार्यक्रम में माननीयों को भी आमंत्रित किया गया था, किन्तु आपके द्वारा आमंत्रण कार्ड में सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल मध्य पदेश का राजपत्र दिनांक 23,12, 2011 में उल्लिखित माननीय व्यक्तियों की श्रेणी एवं पद के संबंध में पूर्वता कम दशार्ने वाली सारणी, जो मध्यप्रदेश के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित की गई है राज्यपत्र में कम अनुसार कमांक 21 पर मध्य प्रदेश के मननीय राज्य मंत्री को एवं कमांक 24ह्ण पर मननीय संसद सदस्य को स्थान दिया गया है, परन्तु आपके द्वारा उक्त निर्देशों का पालन न करते हुए मननीय श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल जी (राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. शासन) का नाम द्वितीय स्थान पर तथा माननीय श्री दर्शन सिंह जी चौधरी जी (सांसद होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र) का नाम प्रथम स्थान पर अंकित किया गया है, जो कि शासन के नियमों का उल्लघन है। यह भी संज्ञान में लाया गया है माननीय से अनुमति लिये बिना ही माननीय का नाम आमंत्रण कार्ड पर अंकित कराया गया है। जो कि शासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन न किया जाना घोर लापरवाही को प्रदर्शित करता है। अतः म.प्र. शासन के नियमों एवं मान्यता नियम 2017 (संशोधन नियम 2020 एवं यथा संशाधित नि. 2021) का उल्लघन किये जाने के फसस्वरूप कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जाता है कि उक्त कृत्य के लिए क्यों न आपके विद्यालय के विरूद्ध मान्यता समाप्ति की कार्रवाई की जावे? इस संबंध में आप अपना प्रतिवाद सप्रमाण 03 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। प्रतिवाद समाधानकारक नहीं पाये जाने अथवा निर्धारित समय पर प्रस्तुत न किए जाने पर आपके विद्यालये के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई संस्थित की जावेगी, जिसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

सम्पादकीय

देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखें डॉक्टर

निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। क्यों कलकत्ता हाईकोर्ट को मामले की जांच सीबीआई को सौंपनी पड़ी। आखिर क्यों इस मामले में अभियुक्त व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल की गिरफ्तारी के बाद भी आक्रोशित डॉक्टरों का भरोसा नहीं लौट रहा है। निस्संदेह, ये हालत शासन-प्रशासन की कारगुजारियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है। राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है। असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है। राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए। निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता। साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा। निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए। उनकी अस्पतालों में अनुपस्थिति जहां रोगियों की मुश्किलें बढ़ाती है, वहीं चिकित्सा जैसे आदर्श पेशे के प्रति जनता के विश्वास को भी घटाती है। यही वजह है, अदालत को कहना पड़ा कि आदेश के पालन से इनकार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें दो राय कि देश के चिकित्सा संस्थानों तथा अस्पतालों में असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। इन मुद्दों का अविलंब निस्तारण होना भी चाहिए। लेकिन उन्हें इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि लंबे समय तक इस तरह की अवज्ञा न्याय को कमजोर करती है। निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। क्यों कलकत्ता हाईकोर्ट को मामले की जांच सीबीआई को सौंपनी पड़ी। आखिर क्यों इस मामले में अभियुक्त व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल की गिरफ्तारी के बाद भी आक्रोशित डॉक्टरों का भरोसा नहीं लौट रहा है। निस्संदेह, ये हालत शासन-प्रशासन की कारगुजारियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। वहीं दूसरी ओर हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों को नोटिस दिए जाने से भी बात बनती नजर नहीं आ रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि सरकार व हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों में टकराव की कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। वैसे कोई भी सरकार दावा नहीं कर सकती कि उसके यहां अपराध नहीं होते और भविष्य में नहीं होंगे।

डॉक्टरों के आंदोलन से पूरे राज्य में खराब हो रही ममता सरकार की छवि

ममता ने कोलकाता पुलिस को भी क्लीन चिट देकर आंदोलनकारी डॉक्टरों को और नाराज कर दिया है। डॉक्टरों ने अब आंदोलन के नारे को वी वांट जस्टिस से बदलकर वी डिमांड जस्टिस कर दिया है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि डॉक्टरों के इस आंदोलन के कारण पूरे राज्य में ममता सरकार की छवि खराब हो रही है। आम लोगों में यही संदेश जा रहा है कि राज्य सरकार और कोलकाता पुलिस की लापरवाही के मुद्दे पर डॉक्टरों के इस आंदोलन के कारण ही उनको स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अब डॉक्टर अगर काम पर नहीं लौटते हैं, तो इस गतिरोध को दूर करने की जिम्मेदारी भी उसी पर आ जाएगी। अब देखना होगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला करती है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में 9 अगस्त को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। इस घटना को एक महीना से ज्यादा बीत गया है, लेकिन पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के बैनर तले इस मामले में न्याय की मांग कर रहे अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन और काम बंद के कारण उपजा गतिरोध टूटने के बजाय लगातार तेज हो रहा है। इस आंदोलन के कारण अब तक 23 मरीजों की मौत हो चुकी है और 70 हजार से भी ज्यादा को समुचित इलाज नहीं मिल सका है। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में यह दावा किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपनी प्रेस कांफ्रेंस में यह बात दोहराई है।

सोमवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी जूनियर डॉक्टरों से मंगलवार शाम पांच बजे तक काम पर लौटने को कहा था, लेकिन आंदोलनकारी डॉक्टरों ने साफ कर दिया है कि उनकी मांगें पूरी नहीं होने और इस मामले में न्याय नहीं मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि तय समय सीमा के भीतर काम पर लौटने वालों के खिलाफ राज्य सरकार कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करेगी, मगर यदि डॉक्टर काम पर नहीं लौटे, तो सरकार की किसी कार्रवाई में वह हस्तक्षेप नहीं करेगा। डॉक्टर अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार दोपहर को कोलकाता से सटे साल्टलेक इलाके में एक रैली निकालकर स्वास्थ्य भवन, जो स्वास्थ्य विभाग का मुख्यालय है, का घेराव किया। उनके हाथों में वी डिमांड जस्टिस लिखी तख्तियां और पोस्टर तो थे ही, उनके हाथों में एक खोपड़ी भी थी। आंदोलनकारी डॉक्टरों की दलील थी कि यह खोपड़ी दिमाग का परिचायक है। इसका मकसद सरकार को यह संदेश देना है कि वह डॉक्टरों के इस आंदोलन के बारे में झूठ फैलाने के बजाय दिमाग से काम ले।

आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि राज्य सरकार और सुप्रीम कोर्ट को यह बात समझनी चाहिए कि यह आम लोगों का आंदोलन है और मांगें पूरी नहीं होने तक इसके खत्म होने की कोई संभावना नहीं है। इस लंबे आंदोलन से राज्य की पहले से ही लचर स्वास्थ्य सेवाएं और बदहाल हो गई हैं। सरकारी अस्पतालों में मरीजों के इलाज का ज्यादातर काम इन जूनियर डॉक्टरों के ही जिम्मे होता है। पश्चिम बंगाल के दूरदराज के जिलों से रोजाना सैकड़ों मरीज इलाज के लिए कोलकाता के सरकारी अस्पतालों में पहुंचते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर जारी गतिरोध के कारण उनको स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही हैं। नतीजतन दो-चार दिनों के इंतजार के बाद उनको खाली हाथ ही लौटना पड़ रहा है।

इन डॉक्टरों की दलील है कि उनका आंदोलन गैर-राजनीतिक है। बीच में भाजपा, सीपीएम और कांग्रेस ने इसमें शामिल होने की कोशिश जरूर की थी, लेकिन इन डॉक्टरों ने उनका समर्थन लेने से साफ इनकार कर दिया। सीबीआई जांच हो रही है, सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई कर रहा है, इसके बावजूद आखिर जूनियर डॉक्टरों की इस नाराजगी की वजह क्या है? दरअसल, उनकी पांच मांगें अभी तक पूरी नहीं हो सकी हैं। ये लोग उस घटना के दोषियों की शिनाख्त कर उनको कड़ी से कड़ी सजा देने, सुबूत मिटाने की कोशिश करने वालों की पहचान करके उनको सजा देने, कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के इस्तीफे, राज्य के तमाम मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने व तमाम मेडिकल कॉलेजों में भयमुक्त लोकतांत्रिक माहौल तैयार करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही, उन्होंने स्वास्थ्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा निदेशक और स्वास्थ्य निदेशक के इस्तीके की भी मांग उठाई है। इतनी मांगें पूरी होंगी, तभी डॉक्टर काम पर लौटेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के काम पर लौटने के निर्देश के बाद जूनियर डॉक्टरों के संगठन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अगर राज्य सरकार मंगलवार शाम पांच बजे तक इन मांगों को पूरा नहीं करती है, तो यही माना जाएगा कि सरकार इस गतिरोध को दूर करने की इच्छुक नहीं है। ऐसे में, राज्य सरकार ही जिम्मेदार होगी। डॉक्टरों का यह आंदोलन सरकार के लिए गले की फांस बन गया है। इलाज के अभाव में लोगों की मौत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त के इस्तीफे की डॉक्टरों की मांग का जिक्र करते हुए कहा है कि वह खुद इस्तीफा देना चाहते हैं, पर अगले महीने राज्य के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के दौरान किसी अनुभवी अधिकारी का इस पद होना जरूरी है, ताकि कानून और व्यवस्था की स्थिति कायम रखी जा सके। ममता ने कोलकाता पुलिस को भी क्लीन चिट देकर आंदोलनकारी डॉक्टरों को और नाराज कर दिया है। डॉक्टरों ने अब आंदोलन के नारे को वी वांट जस्टिस से बदलकर वी डिमांड जस्टिस कर दिया है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि डॉक्टरों के इस आंदोलन के कारण पूरे राज्य में ममता सरकार की छवि खराब हो रही है। आम लोगों में यही संदेश जा रहा है कि राज्य सरकार और कोलकाता पुलिस की लापरवाही के मुद्दे पर डॉक्टरों के इस आंदोलन के कारण ही उनको स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अब डॉक्टर अगर काम पर नहीं लौटते हैं, तो इस गतिरोध को दूर करने की जिम्मेदारी भी उसी पर आ जाएगी। अब देखना होगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला करती है। डॉक्टरों के लगातार तेज होते आंदोलन के कारण त्योहार के सीजन में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली ने सरकार को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। ऐसे में, ममता बनर्जी सरकार की उम्मीदें भी अब सुप्रीम कोर्ट पर ही टिकी हैं।

दूसरी ओर, आम लोग भी इस मुद्दे पर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। रिक्लेम द नाइट शीर्षक अपील के तहत बीते 14 अगस्त की आधी रात को जिस तरह राज्य के विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर महिलाओं का जमावड़ा हुआ था, उसकी दूसरी कोई मिसाल नहीं मिलती। इसी तरह, बीते रविवार को भी कोलकाता समेत पूरे राज्य में यही सब दोहराया गया। आम लोगों का इस तरह सड़कों पर उतरना भी सरकार के लिए सिरदर्द बन गया है, लेकिन फिलहाल उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता जूनियर डॉक्टरों का आंदोलन खत्म कर उनको काम पर लौटाना है।

जैन दस लक्षण धर्म विशेष

उत्तम त्याग-देते दौलत न घटे

भोजन करें और मल विसर्जन न हो तो पीड़ा होगी, श्वांस लें और वाहर न निकले तो घुटन होगी। भोजन किया है तो मल विसर्जन भी अनिवार्य है। अर्जन और विसर्जन, ग्रहण और त्याग प्रकृति का शाश्वत नियम है। जहां ग्रहण है वहां त्याग अनिवार्य है। पूरी प्रकृति ग्रहण और त्याग का उदाहरण है बादल समुद्र से जल सोखते हैं, संग्रह होता है, अपने पास नहीं रखते, बरसा देते हैं यह त्याग है।

त्याग धर्म की शास्त्रों में दो प्रकार की व्याख्या मिलती है। मुनियों की अपेक्षा परिग्रह की निवृति को त्याग कहा गया है। तथा ग्रहस्थों की अपेक्षा त्याग का अर्थ दान लिया गया है। मुनि सर्वस्व के त्यागी होते हैं वे धन परिग्रह की आसक्ति से रहित अपरिग्रही जीवन जीते हैं। ग्रहस्थ के लिये सर्वस्व का त्याग संभव नहीं है, वह उसके लिये अपनी शक्ति और परिस्थिति के अनुसार दान देने की प्रेरणा दी गयी है। दान का स्वरूप बताते हुए आचार्य उमा स्वामी ने कहा है अनुग्रहार्थ स्वस्याति सर्गो दानम स्व पर के अनुग्रह के लिये अपने धन का त्याग करना दान है। मनुष्य परिश्रम पूर्वक धन अर्जन करता है। अत- उसके प्रति लगाव भी स्वाभाविक है वह उसके संरक्षण ओर संवर्धन का भी प्रयत्न करता है। धन का अर्जन बुरा नहीं है। परन्तु अर्जन के साथ-साथ उसका उपयोग भी होना चाहिये । सम्पत्ति शाश्वत नहीं है। कोई चाहे जितना भी धन का संग्रह करे सुई की नोंक बराबर सम्पत्ति भी उसके साथ

नहीं जाती । जिसके पीछे मनुष्य रात की नींद और दिन का चैन खोता है। वह उसके काम नहीं आता है अंग्रेजी विचारक ने ठीक कहा है। धन उसका नहीं है जिसके पास वह है। अपितु उसका ही धन सार्थक होता है जो उसका सदुपयोग करता है। अर्जित धन का उपयोग और बचे धन का दान ही धन का सच्चा उपयोग है। दान से जीवन का कल्याण होता है। धन ही जिनके जीवन का अन्तिम साध्य है वे जीवन पर्यन्त धन जोड़ते रहते हैं और अन्त में सब कुछ यहीं छोड़कर चले जाते हैं। व्यक्ति चाहे कितना भी सम्पन्न क्यों न हो वह यदि अपनी सम्पत्ति का सदुपयोग करना नहीं जानता तो उससे बडा अभागा इस संसार में कोई दूसरा नहीं है कृपणता कंगाली की पहचान है। कुरल काव्य में लिखा है परोपकारी के हाथ का धन उस वृक्ष के समान है जो औषधियों की सामग्री देता है और सदा हरा बना रहता है धन की सम्पन्नता की सार्थकता दीन दुखियों की सेवा करने में है सच्चा धर्मात्मा पुरूष अपनी सम्पत्ति का सदैव सदुपयोग करता है। वह दया से प्रेरित होकर दूसरों की सेवा और सहायता करता हैं जिसका मन जितना उदार होता है उसका भाग्य उतना ही ऊंचा उठता है आज के बड़े-बड़े धनपति रात-दिन परिश्रम करके धन जोड़ते रहते हैं, सही अर्थो मे वे लक्ष्मीपति नहीं है। वे लक्ष्मी के दास सेवक हैं जो व्यक्ति धन को अपने सिर पर बैठाये रखता है, उसका जीवन जड़ता क्रान्त हो जाता है धन की आसक्ति मनुष्य को अन्धा बना देती है उसका विवेक समाप्त हो जाता है इसीलिये लक्ष्मी की सवारी उल्लू को बनाया गया है।

जिनकी अपरिग्रह में आस्था है, तो अपरिग्रह को आदर्श मानकर चलते हैं।

भामा शाह जैसे दानवीर जैन समाज के गौरव हैं जिन्होंने अपने राष्ट्र और समाज के उत्थान में, मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया ।

दिल्ली को और अधिक मजबूती से पकड़ेगी कश्मीर की जनता!

कश्मीर में पांच अगस्त 2019 के पश्चात जो नया अध्याय प्रारंभ हुआ था उसने लगभग तीन वर्षों का कोरोना कालखंड का दंश भी झेला है। कोरोना के बाद भी कश्मीरी पर्यटन आज सफलता के नये आयाम छू रहा है तो इसके पीछे दिल्ली और श्रीनगर में स्थापित नये शक्ति-सूत्र ही कार्य कर रहें हैं। इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता दिल्ली को और अधिक मजबूती से पकड़ेगी और नये युग का आरंभ करेगी ऐसी आशा है। जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहां भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी ट्वेंटी का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है। अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुत- बदनियत लोग थे, ये अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फारूख अब्दुल्ला और उसके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। 370 के उन्मूलन के बाद एक बना था, गुपकार गठबंधन। अब्दुल्ला परिवार व कांग्रेस इस गुपकार गठबंधन के प्रमुख चट्टे-बट्टे थे। ये चाहते हैं कि 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति सांप-छछून्दर के जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों, उग्रवादियों, आतंकियों, देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतारकर 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत देश अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग होकर मुंह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं। 6 अगस्त, 2019 को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। इस बैठक में उसने370 का सम्मान करते रहने का प्रस्ताव पारित किया था। ऐसा विरोध भला देश विरोध नहीं तो और क्या था?! शेष राष्ट्र के सामने कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र पर बड़ी बेशर्मी से स्वयं को गुपकार गैंग से अलग बताती है। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 हटने के ठीक एक दिन पूर्व फारूक अब्दुल्ला के निवास पर पीडीपी सहित कई अन्य अलगाववादियों के साथ गले में हाथ डालकर बैठी थी और अनुच्छेद 370 के पक्ष में संयुक्त व्यक्तव्य जारी कर रही थी। यही कांग्रेस, अनुच्छेद 370 के हटने के एक वर्ष बाद भी कश्मीर में पुन- गुपकार रोड पर पुन- इन उग्रवादियों के साथ खड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस, अब्दुल्ला और पीडीपी वाले इस अलगाववादी गठबंधन ने एक वर्ष बाद भी यह कहा था कि- अनुच्छेद 370 और 35 को पुनर्स्थापित करने हेतु ये लोग प्रतिबद्ध हैं। कश्मीर के इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता को कांग्रेस से यह पूछना चाहिए कि कश्मीर छोड़कर शेष राष्ट्र में वह अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में क्यों खड़ी दिखती है? ये दोहरा चरित्र क्यों है?! शेष राष्ट्र में वह अब्दुल्ला व मुफ्ती परिवार से दूरी का प्रदर्शन करती है और अब विस चुनाव भी उनके साथ ही लड़ती है। कश्मीर की जनता को इन दोहरे और डुप्लीकेट चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिये। गुपकार गठबंधन स्पष्ट तौर पर विदेशी शक्तियों का एक बॉम्ब टॉय है और कांग्रेस, अब्दुल्ला, पीडीपी इसके साथ खड़े हुए हैं।

डॉ. पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी के संकल्प एक देश, एक विधान, एक प्रधान के संकल्प को शिरोधार्य किए हुए भाजपा ने अपनी संकल्पशक्ति से भारत के मुकुटमणि को 370 व 35 ए के दंश से मुक्ति दिलाई है। कश्मीर का विकास अब शेष देश के समान आगे बढ़ता हुआ दिखता है। वर्ष 2020-21 में 15वें वित्?त आयोग की अनुशंसा के अनुसार, जम्?मू और कश्?मीर प्रदेश एवं लद्दाख हेतु क्रमश- 30757 करोड़ रु. और 5959 करोड़ रु. का अनुदान दिया गया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीर में लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2018 में भाजपा की संकल्प शक्ति से कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए जिसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ, वर्ष 2019 में ब?लॉक डेवलेपमेंट काउंसिल चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद जिला स?तर के चुनाव में भी यही गाथा दिहराई गई। आज कश्मीर में आयुष?मान योजना से 4.4 लाख लाभार्थियों की सूची बन गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ने कश्मीर में देश के शेष राज्यों की अपेक्षा अधिक सफलता अर्जित की है। कश्मीर के मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। नई मूल निवासी परिभाषा के अनुसार 15 वर्ष या अधिक समय तक जम्?मू-कश?मीर में रहने वाले व?यक्ति भी अब अधिवासी माने जाएंगे इससे कश्मीर की जनता सुरक्षित हुई है। कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए छ- हजार आवासों का निर्माण हो गया है। जम्?मू-कश?मीर से बाहर विवाह करने वाली लड़कियों और उनके बच?चों के अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। कश्मीर में पहली बार दस हजार रिक्त नौकरियों को सूचीबद्ध करके इन पर नियुक्तियों का कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके दूसरे चरण में लगभग साढ़े बारह हजार नौकरियों हेतु भर्ती अभियान चलाया गया है। मोदी सरकार ने कश्मीर में हिमायत योजना से लगभग नब्बे हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने पचास नये महाविद्यालय प्रारंभ किए हैं जिसमें लगभग सात हजार कश्मीरी छात्र नये कश्मीर का भाग्य रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों ने नगर पालिका परिषद अध्यक्ष कक्ष में सौजन्य भेंट कर विभिन्न कार्यों की चर्चा की

नवगत जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से नगर पालिका अध्यक्ष सहित सभी

सुशिल सोनी । सिटी चीफ कोतमा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अजय सराफ ,अजीत तिर्की अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कोतमा प्रदीप झरिया मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मनोज सोनी अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोतमा एवं बद्री ताम्रकार वरिष्ठ भाजपा नेता ने 14 सितंबर को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष कक्ष में नवागत जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मोती उर रहमान पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर नगर पालिका परिषद द्वारा नगर की चौमुखी विकास के संबंध में अवगत कराया एवं विभिन्न विकास कार्यों की विस्तार पूर्वक चर्चा की गई, जिसमें नगर पालिका परिषद के सभी पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने नगर के विकास को चौमुखी विकास बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के संबंध में चर्चा कर और विकास के रास्ते खोलने की बात कही जिस संबंध में जिला कलेक्टर एवं पुलिस कप्तान ने नगर में जगह-जगह अव्यवस्थित सब्जी दुकान को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से निर्धारित जगह में सब्जी दुकान लगाने के लिए आदेशित किया एवं नगर की पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है साथ ही नगर के विकास के लिए हर संभव कदम से कदम मिलाने की बात कही है।

हरियाणा में अबकी बार फिर से बनेगी भाजपा की सरकार : सत्यपाल सैनी

हरियाणा चुनाव में अहम भूमिका निभाएं भाजपाई - सैनी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर (नागल)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सैनी ने कहा कि हरियाणा ने एमएसपी लागू करके किसानों को उनकी मांगों के अनुरूप सबसे बड़ा तोहफा दिया है। हरियोणा विधान सभा चुनाव प्रचार से लौटते समय भाटखेड़ी रोड स्थित विशाल सैनी समिति के जिलाध्यक्ष मानसिंह सैनी के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में हरियाणा में भाजपा सरकार ने विकास के मामले में जो आयाम स्थापित किए हैं वह वास्तव में अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है। इस वर्ष 224 खिलाड़ियों को प्रथम व द्वितीय रैंक का अधिकारी बनाया गया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस बार भी हरियाणा में भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बना रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि टिकट की मांग करना हर कार्यकर्ता का अधिकार है, पार्टी जिसे भी प्रत्याशी बनाए हमें पार्टी के निर्णय का सम्मान करते हुए उसी प्रत्याशी का मन लगाकर प्रचार-प्रसार करना चाहिए। इस दौरान दीपक सैनी, व्यापार मंडल अध्यक्ष कपिल डाबर, पाल्ला सैनी, पवन सैनी, विकास, नीटू चौधरी, मूलचंद सैनी, सुरेंद्र सैनी, सुरेश सैनी, मनमोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

मेपल्स एकेडमी में हर्षोल्लास से मनाया गया हिन्दी दिवस समारोह

छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने राष्ट्रभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने-अपने विचार रखे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, मेपल्स एकेडमी प्रार्थना सभा में हिन्दी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने राष्ट्रभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर कक्षा 2 की छात्रा वान्या सक्सेना ने गणेश स्तुति गाकर सभी के मन को मोह लिया। कक्षा 4 की छात्राओं ने कविता गाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। हिंदी दिवस के उपलक्ष में कुछ विद्यार्थियों ने कविता, गीत एवं भाषण प्रस्तुत करते हुए हिन्दी के प्रति अपने मन के उदगारों को प्रकट किया। इस दौरान कक्षाओं में हिन्दी कविता पाठ, सुलेख लेखन, श्रुतिलेख एवं पठन-पाठन करवाया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या डॉ. चित्रा जोशी ने सभी को हिन्दी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिन्दी एक समृद्ध भाषा है। यह भारतीयता की पहचान है संसार के कोने-कोने में हिंदी बोलने व समझने वाले रहते हैं, हिन्दी हमारी मन की भाषा है और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कटनी में धूमधाम से निकली भगवान विश्वकर्मा जी की भव्य शोभायात्रा

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, भगवान विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में आज शनिवार को कटनी शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सिविल लाइन स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में सामाजिक बंधुओ द्वारा सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन अर्चन किया गया एवं आरती उतारकर प्रसाद वितरित किया गया। इसके उपरांत सिविल लाइन से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो कि गणेश चौक, मघई मंदिर, जय दयाल रोड, सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, झंडा बाजार, शेर चौक आज़ाद चौक, मिशन चोक होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति रही। समाजसेवी अशोक विश्वकर्मा ने बताया कि इसी कड़ी में 17 सितम्बर को भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। सुबह भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन अर्चन किया जाएगा। आरती उतारकर प्रसाद वितरित किया जाएगा एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

अवैध शराब के विरूद्ध लालबर्रा पुलिस की कार्यवाही

आरोपी से कच्ची महुआ शराब कुल 60 ली. तथा घटना मे प्रयुक्त मो.सा.जब्त की गई

लाकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ लालबर्रा, पुलिस अधीक्षक बालाघाट महोदय श्री नगेन्द्र सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध शराब का व्यापार करने वालों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों को निर्देश दिए है,उक्त निर्देश के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री विजय डावर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वारासिवनी श्री अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन मे थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा अवैध शराब का व्यापार करने वाले व्यक्ति को विधिवत गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है । दिनांक 14.09.24 को थाना लालबर्रा पुलिस को ग्राम गस्त के दौरान विश्वसनीय मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सालेबारी का अशोक पंचेश्वर अपनी मोटरसाइकिल मे अत्यधिक मात्रा मे अवैध कच्ची शराब बेचने के उद्देश्य से घटोलगांव की ओर जा रहा है मुखबीर सूचना पर थाना प्रभारी उनि हेमन्त नायक की पुलिस टीम द्वारा तत्काल संभावित मार्गो मे नाकाबंदी कर आरोपी अशोक पंचेश्वर को हिरासत मे लिया । आरोपी से 15 -15 ली. के 04 प्लास्टिक के कुप्पों से भरी कुल 60 ली. कच्ची महुआ शराब सहित घटना मे प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई । आरोपी द्वारा स्वंय से बेचने के उद्देश्य से जंगल मे अवैध कच्ची शराब बनाना स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार किया गया । आरोपी को मान. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है । मान न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल निरूद्ध किया गया है।

श्री रामचरितमानस मंदिर तुलसी पीठ में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय रामलीला का हुआ भव्य शुभारंभ

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम को अपने जीवन में लाएं: जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव का आयोजन डॉ राकेश मिश्र अध्यक्ष पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास एवं डॉ. वेद प्रकाश टंडन अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय रामलीला द्वारा तीन दिवसीय रामलीला का आयोजन तुलसी पीठ परिसर श्री रामचरितमानस मंदिर में जगतगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज जी के सानिध्य मुख्य अतिथि श्रीमती सावित्री ठाकुर महिला बाल विकास मंत्री भारत सरकार समन्वयक डॉ. वंदना टंडन, संयोजक आचार्य रामचंद्र दास द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव का का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर गुरुकुल में अध्यनरत छोटे-छोटे नन्हे कलाकारों के द्वारा गणेश वंदना उपस्थित जन समुदाय श्रद्धालुओं भक्तजनों का मन मोह लिया। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम को अपने जीवन में लाएं- जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज दिनांक 14, 15, 16 सितंबर को श्री राम चरित्त मानस मंदिर श्री तुलसी पीठ आमोद वन, चित्रकूट,जिला सतना मध्य प्रदेश में प्रथम दिवस की लीला के शुभारंभ अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज श्री श्रद्धालुओं व भक्तजनों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए डॉ राकेश मिश्र एवं डॉ वेद प्रकाश टंडन जी के द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय रामलीला महोत्सव सराहना की उन्होंने आगे कहा कि छात्र-छात्राओं द्वारा मंचन किया है। प्रभु श्री राम मानवता के मापदंड हैं मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम चंद्र जी को अपने जीवन में लाएं मानवता जीवन मंत्र है। चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीर , तुलसीदास चंदन घिसें तिलक देत रघुवीर अंतरराष्ट्रीय रामलीला का शुभारंभ सर्वप्रथम चित्रकूट रामघाट पर श्री हनुमान जी महाराज ने गोस्वामी तुलसीदास जी से कहा कि कल माघ अमावस्या है मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम जब घाट पर आएंगे तो आपको भगवान प्रभु श्री राम के दर्शन का पुण्य लाभ अर्जित होगा। दूसरे दिवस वह पुण्य अवसर आया प्रभु श्री राम घाट पर स्नान करके जैसे ही गोस्वामी तुलसीदास जी के समक्ष गए श्री हनुमान जी महाराज ने कहा की गोस्वामी तुलसीदास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के चरण पकड़ लिए और दर्शन के उपरांत गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा हे प्रभु मैं आपके चरित्र को जन-जन तक पहुंच जाऊंगा वह कार्य श्री रामचरितमानस महाकाव्य के माध्यम से आज घर-घर में प्रभु श्री राम के चरित्र को लेबद्ध पूर्ण तरीके से गायन किया जा रहा है और भक्ति की गंगा में भक्ति श्रद्धा ल पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। डॉ राकेश मिश्र जी के द्वारा प्रेरणादायक कार्य किया जा रहा है F श्रीमती सावित्री ठाकुर श्रीमती सावित्री ठाकुर महिला बाल विकास मंत्री भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ राकेश मिश्र एवं डॉ वेद प्रकाश टंडन जी के द्वारा हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संस्कृति को बचाने के लिए किया जा रहे कार्यों को आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी को ऐतिहासिक बनाते हुए छात्र-छात्राओं में भगवान श्री कृष्ण के भाव को जगाने के उद्देश्य से स्कूलों में भी भगवान जन्माष्टमी मनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे आयोजनों से ऐसे कार्यक्रमों से संस्कृत का प्रचार प्रसार हो रहा है। आज की लीला में प्रभु श्री राम जन्म से सीता स्वयंवर तक रामलीला का मंचन किया गया अंतर्राष्ट्रीय रामलीला की विशेषता यह रही की प्रतिभा और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुतियां देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। आज की लीला में मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश दिल्ली बिहार महाराष्ट्र कई प्रति के श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे। जी के द्वारा प्रेरणादायक कार्य किया जा रहा है। प्रथम दिवस की लीला में भारत के इतिहास में पहली बार जोड़े जा रहे चित्रकूट स्थान जहां गोस्वामी तुलसीदास जी को इस धरा पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम भगवान ने इस धरा पर दर्शन दिया था जिसमें गुरुकुल के बच्चों ने विशेष तैयारी की जहां दरस दिए प्रभु श्री राम ने वह चित्रकूट है मेरे सामने: रामचंद्र दास महाराज आज की लीला में प्रभु श्री राम जन्म से सीता स्वयंवर तक रामलीला का मंचन किया गया अंतर्राष्ट्रीय रामलीला की विशेषता यह रही की प्रतिभा और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुतियां देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। आज की लीला में मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र कई प्रदेशों के श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे।

अनुपपुर बुढार की फर्म पवन मेसर्स का निकला अवैध कोयला

बिजुरी रेलवे साइडिंग ढेकेदार की मदद से होता है कला कारोबार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, गुरुवार की देर रात रामनगर थाने द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध कोयले से लदे पांच ट्रक थाना प्रभारी रामनगर द्वारा पकड़े गए थे जिसमे ट्रक चालकों के बयान अनुसार कोयला पवन मेसर्स का बताया गया था , पुलिस द्वारा पवन मेसर्स एक ट्रक चालकों पर अपराधकायम किया गया था परंतु पवन मेसर्स के बारे में अधिक जानकारी नहीं लग पाई थी एवम ये अवैध कोयले का कारोबार किस किस की मिली भगत से चल रहा था इसका खुलासा भी नही हो पाया था थोड़ी जांच पड़ताल के बाद ये जानकारी हासिल हुई की कोयले का ये अवैध कारोबार बुढार के सबसे बड़े कोल व्यापारी पवन मेसर्स का है और ये बिजुरी रेलवे साइडिंग ढेकेदार की मिलीभगत से चल रहा है, बुढार की इस फर्म के मालिक का कई वर्षो से कोयले का कारोबार जारी है कई करोड़ो का ये कोयले का कारोबार खनिज एवम पुलिस के संरक्षण में ही हो रहा मालूम होता है , क्या ईमानदार पुलिस ऑफिसर अमर वर्मा जी के ये बड़ी कार्यवाही इस अवैध कोयले के कारोबार पर अंकुश लगा पाएगी या ,ये कार्यवाही भी सिस्टम के दबाव में विफल हो जायेगी ये देखना अभी बाकी है।

बीकेएसएन महाविद्यालय में मनाया हिंदी दिवस

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के माध्यम से हिंदी दिवस मनाया गया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ वीपी मीणा ने की। स्वागत भाषण एवं कवि परिचय हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पीएस परमार ने किया। वहीं सरस्वती वंदना छात्र-छात्राओं द्वारा की गई। इस मौके पर स्थानीय साहित्यकारों राजेश अजनबी गीतकार, संतोष मतवाला ओजकवि, संजय बोराड़े कवि, मनोहर धाकड़ गजलकार, कवयित्री संतोष शर्मा, सुभाष परमार कवि, राजकुमार अकेला गीतकार मौजूद जिन्होने हिंदी का महत्व बताते हुए काव्यपाठ किया। कार्यक्रम के तत्पश्चात भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ का भ्रमण कर, हिंदी की पुस्तकों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। संचालन डॉ बीएल मालवीय ने किया तथा आभार डॉ दिनेश निंगवाल ने माना।

रेलवे कोल साइडिंग से होता है काले हीरे का पूरा खेल, बड़े बड़े नाम शामिल

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर बिजुरी रेलवे की कोल साइडिंग से होता है पूरा खेला ललितपुर पावर प्लांट तक कोयला पहुंचने की जद्दोजहज। जिले के अंतिम छोर बिजुरी में स्थित रेलवे की कोल साइडिंग से ललितपुर पावर प्लांट तक कोयला पहुंचने के काम और इस काम की आड़ में बड़ा फुनाफा कमाने के चक्कर में बड़े-बड़े काले हीरे के कारोबारियों की आपसी लड़ाई ने प्रशासन के लिए सरदर्द खड़ा कर दिया है, हालांकि अब इस लड़ाई के बीच में एसटीएफ की टीम भी पहुंच चुकी है, बीते दो दिन पहले राजनगर पुलिस के द्वारा जब देर रात कोयले से लदे पांच ट्रेलरों को पकड़ा गया और उसमें दस्तावेजों की जांच की गई तो पुलिस खुद सिर पीटती हुई नजर आई, एक तरफ ट्रक ले जा रहे चालकों के पास स्थानीय आमाडांड कालरी की श्वञ्जक्क थी,वहीं दूसरी ईटीपी सीधी से कटी हुई बताई गई, हालांकि कुछ जानकारी पुलिस ने खुद से हासिल की और बाकी कोल कारोबारीयों के बीच वर्चस्व की लड़ाई ने अलग-अलग सूत्रों से पुलिस तक पहुंचाई।

यह भी खबर है कि एक श्वञ्जक्क जो पहले कटी थी उसे गलत साबित करने के फेर में दूसरी श्वञ्जक्क किसी अन्य कोल कारोबारी के द्वारा खुद के पैसे लगाकर मामले को उलझाने के लिए जनरेट कर दी गई, बहरहाल यह भी जांच का विषय है कि जब ट्रक सीधी गई ही नहीं तो सीधी से उसकी ईटीपी कैसे कट गई, यह बात आईने की तरह साफ है कि घटना के दिन ट्रेलर आमाडांड

कोयला खदान से कोयला लेकर साईडिंग के लिए निकले थे, वहां उन्होंने कोयला खाली किया या नहीं यह वहां के दस्तावेज जांचने के बाद स्पष्ट होगा, लेकिन बिजुरी ब्लास्ट साईडिंग के लिए जब कोयले की गाड़ी निकली और वहां कोयला खाली हो गया तो दूसरा कोयला आखिर इतनी जल्दी कहां से लोड कर लिया गया, खबर तो यह भी है कि यह कोयला समीप ही स्थित शारदा मां लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के कोल यार्ड से लोड किया गया था, जिसका संचालन जिंदल ग्रुप के द्वारा किया जाता है।

हालांकि मामला पुलिस में जाने के बाद यह खुद में जांच का विषय हो गया कि शेष कोयला जिसकी कीमत लाखों में बताई गई है जिसे पुलिस ने जप्त किया है वह आखिर लोड कहां से किया गया, कोयले की ग्रेड और अन्य दस्तावेजों और बयानों के आधार पर पुलिस इस जांच में लगी हुई है, शनिवार को इस मामले में एसटीएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और उसने बयान लेना शुरू किया, कई लोगों के बयान लिए जा रहे हैं और यह माना जा रहा है कि कहीं ना कहीं कोल साईडिंग को लेकर कोल कारोबारी के बीच चलने वाली प्रतिस्पर्धा इस पूरे मामले की जनक है। यह भी बताया जा रहा है कि वर्तमान में जिस फर्म को आमाडांड कोल माइंस से ललितपुर के लिए कोल लिफ्टिंग का काम मिला है, उससे पहले लंबे अरसे तक यह काम जिंदल ग्रुप के पास रहा है, जिंदल ग्रुप जिसका संचालन छत्तीसगढ़ से किया जाता है और शारदा मां लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर उक्त फर्म ने यहां पर बीबीएसबी के समीप साइडिंग लेकर रखी है वहां से उसका संचालन किया जा रहा था, लेकिन वर्तमान में उस स्थान की जगह बीबीएसबी में कोयला खाली किया जा रहा था, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है अभी तक इस मामले में ठेका कंपनी के द्वारा सिर्फ किराए से लिए गए वाहन के चालक और फर्म का नाम ही सामने आया है, कोयला कहां से लोड होकर आया और बिजूरी स्थित कोल साईटिंग पर बीते लंबे अरसे से किस-किस कोल कारोबारी का कब्जा रहा है, जिसने अपने हाथ से यह काम जाने और अब उसे वापस पाने के फेर में यह पूरा खेल खेला, पूर्व कारोबारी ने आपसी लड़ाई और काम खुद पाने के फेर में खुद ही अपनी कलई खोल दी।

बिना अनुमति के हजारों टन कोयले का हो रहा भंडारण

35 साल के लिए शारदा मां लॉजिस्टिक ने किया था रेलवे से अनुबंध, शर्तों को अभी तक नहीं किया पूरा

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ ।

अनूपपुर, जिले के अंतिम छोर पर बिजूरी थाना अंतर्गत छत्तीसगढ़ के नाएला से संचालित होने वाली शारदा मां लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा कोयले के परिवहन के लिए 7 फरवरी 2023 को रेलवे के एडीआरएम से 35 वर्षों के लिए रेलवे भूमि पर रेलवे कोल साइडिंग बनाने का अनुबंध किया गया था, लगभग डेढ़ साल पहले किए गए अनुबंध की शर्तों को तो शारदा मां लॉजिस्टिक प्राइवेट कंपनी ने पूरा नहीं किया, अलबत्ता इस दौरान कंपनी के मालिक रहें मित्तल बंधु एक दूसरे को मालिकाना हक देकर खुद को किनारे करते रहे।

9.018 एकड़ भूमि रेलवे के द्वारा शारदा मां लाजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को अनुबंध के तहत निर्दिष्ट शर्तों के अनुरूप दी गई थी, नियमतः अनुबंध की शर्तें पूरी न होने पर अनुबंध खुद ब खुद शून्य हो जाना चाहिए, लेकिन रेलवे के अधिकारियों की आर्थिक लोलुपता के कारण खुलकर संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे पूरे कायदे शून्य होते हुए नजर आ रहे हैं, एक तरफ रेलवे प्रबंधन ने शर्तें पूरी न होने के बाद भी मां शारदा लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से किया गया अनुबंध अभी तक निरस्त नहीं किया, और न हीं दूसरी तरफ द्वारा रेलवे की भूमि पर जो साइडिंग की अनुमति ली गई थी उसे कोयले के अवैध भंडारण के रूप में संचालित किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश शासन के नियमों के अनुसार किसी भी कोयले की

खदान से 50 किलोमीटर के दायरे में कोयले के भंडारण की अनुमति नहीं दी जाती है, यही वजह है कि अनूपपुर जिला कलेक्टर एवम खनिज विभाग के द्वारा यहां कोयले के भंडारन की कोई अनुमति नहीं दी गई है और शारदा मां लॉजिस्टिक के द्वारा अभी तक इस तरह का कोई आवेदन भी नहीं किया गया है।

अलबत्ता शिकायतों के बाद भी खनिज विभाग की टीम ने कभी भी यहां पर कोयले के भंडारण का भौतिक सत्यापन और रखे हुए कोयले की वैधता तक का निरीक्षण नहीं किया, यह अलग बात हो सकती है कि विभिन्न शिकायतों के बाद विभाग ने कागजी कोरम पूरा कर लिया हो लेकिन विभाग के द्वारा कोई भी भंडारण की अनुमति यहां आज दिनांक तक नहीं दी गई है ।बावजूद इसके यहां साइडिंग में हजारों टन कोयला बिना वैध दस्तावेजों के छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की कई महीनो से लाकर रखा गया है।

रेलवे प्रबंधन की शर्तें नहीं की पूरी शारदा मां लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा 7 फरवरी 2023 को रेलवे प्रबंधन से 35 साल के लिए 6 फरवरी 2058 तक का अनुबंध किया गया है, प्रतिवर्ष 13 लाख 66006 रुपए के वार्षिक किराए के रूप में दिया जाना था, 6 पन्नों के अनुबंध में सर्वप्रथम यह बिंदु स्पष्ट किया गया था कि यहां साइडिंग बिछाने के लिए कार्य किया जाएगा, लेकिन बीते डेढ़ साल के दौरान साईडिंग की रेलवे से कनेक्टिविटी आज तक नहीं बन पाई, बीबीएसबी के नाम से रेलवे की कोल सेटिंग से लगभग चार से 500 मीटर दूर मां शारदा लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड में रेलवे की भूमि पर बिना रेलवे कनेक्टिंग के बिना साइडिंग बनाए हुए ही कोल साइडिंग संचालित है जिसे रेलवे की साइडिंग का नाम दिया है, अनूपपुर जिले के प्रशासन और पुलिस को अंधेरे में रखकर उन्हें रेलवे की कोल साइडिंग बताई जा रही है जबकि हकीकत है कि रेलवे के नियमों का ही पूरा पालन नहीं किया गया, बिना रेलवे लाइन बिछाए ,रेलवे की कनेक्टिविटी के बिना यहां पर कोयला ट्रेलरों के माध्यम से लाकर रखा जाता है और फिर उसे यहां से उठाकर बीबीएसबी में भेजा जाता है।

खनिज विभाग की मिली भगत बिजुरी में रेलवे से कोयला परिवहन करने के लिए दो साइडिंग रेल प्रबंधन द्वारा स्वीकृत की गई है इसमें पहले सेटिंग बीबीएसबी के नाम से है, जो बीते कई वर्षों से संचालित है और यह रेलवे की साइडिंग मानी जाती है, डेढ़ साल पहले 7 फरवरी 2023 को शारदा मां लॉजिस्टिक को 9.018 एकड़ के आसपास की भूमि साइडिंग बनाने के लिए आवंटित की गई थी, उसे सीधे रेलवे से कनेक्ट करना था और साइडिंग के लिए इस भू खंड को रेल लाइन से जोड़ा जाना था, लेकिन यह डेढ़ साल में भी नहीं हो सका, डेढ़ साल से शारदा मां लॉजिस्टिक रेलवे की भूमि पर अवैध कोयला भंडारण के रूप में कार्य कर रही है जो कोयला सीधे रेलवे लाइन से जुड़ी हुई साइडिंग में डंप होना चाहिए, वह रेलवे साइडिंग से चार से 500 मीटर दूर शारदा मां लॉजिस्टिक्स के साइड में गिरता है और फिर यहां से दूसरे वाहनों में लोड होकर बिना श्वञ्जक्क और वैध दस्तावेजों के कोयला बीबीएसबी भेजा जाता है, खनिज विभाग के अलावा स्थानीय पुलिस और एसटीएफ आदि में इस संदर्भ में कभी भी कोई जांच नहीं की, शारदा मां लॉजिस्टिक से निकलकर जब कोयला रेलवे की साइडिंग में जाता है तो ना तो उसकी कोई जांच की जाती है और नहीं वहां वाहन के साथ कोई भी दस्तावेज एक स्थान से निकलकर दूसरे स्थान तक कोयला परिवहन के लिए साथ रहता है।

17 वर्ष पुराने मामले का नेशनल लोक अदालत में हुआ निराकरण

जिले में 15 खण्डपीठों ने कई प्रकरणों को सुलझायां

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ

शाजापुर, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 सितम्बर शनिवार को जिला न्यायालय शाजापुर, तहसील शुजालपुर में किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ जिला न्यायालय परिसर में सुबह 10.30 बजे समस्त न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। शुभारंभ पर ii विवेक शर्मा, विशेष न्यायाधीष एवं समन्वयक नेशनल लोक अदालत मोहम्मद अजहर, मुकेश रावत, दिनेशकुमार नोटिया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सिराज अली, सुनयना श्रीवास्तव, आदिल अहमद खान, डॉ स्वाती चौहान, सतीश कुमार शुक्ला, फारूक अहमद सिद्दीकी आदि मौजूद थे। इस दौरान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड शाजापुर के समक्ष

17-18 वर्ष से लंबित चैक बाउन्स के कुल 07 प्रकरणों में राजीनामा कराया गया, जिसमें 06 मामलों का विवरण यह था कि परिवादी एवं अभियुक्त के मध्य उधार ऋष्ण संव्यवहार के दौरान अभियुक्त के द्वारा कुल 06 चैक विभिन्न राशियों के दिए गए थे, जो कुल राशि 01 लाख रुपये के थे। चैक बाउन्स होने पर न्यायालय में अधिवक्ता के माध्यम से परिवादी के द्वारा 2007 में प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, किन्तु वर्ष 2008 में आरोपी के फरार हो जाने से प्रकरण न्यायालय में लंबित था। आरोपी के 2024 में उपस्थित होने पर समझौते के प्रयास किए गए। नेशनल लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी सुनयना श्रीवास्तव एवं परिवादी के अधिवक्ता आरके शर्मा एवं अभियुक्त के अधिवक्ता अर्पित तिवारी की समझाईश उपरांत उभय पक्ष ने अपने उक्त 06 मामलों में राजीनामा किया। 17 से 18 वर्ष पुराने 01 अन्य चैक बाउन्स की 01 लाख 10 हजार रुपये की राशि के मामले में भी दोनों पक्षों को समझाईश दी जा कर राजीनामा करवाया गया। इसी तरह कुटुम्ब न्यायालय शाजापुर के समक्ष विचाराधीन 01 मामलें में प्रधान जिला न्यायाधीश ललित किशोर की समझाईश उपरांत 2021 से अलग रह रहे पति-पत्नी नेशनल लोक अदालत में राजीनामा कर पुनः एक साथ रहने को तैयार हुए। राजीनामा के दौरान खण्डपीठ क्रमांक 01 के पीठासीन अधिकारी प्रधान जिला न्यायाधीश ललित किशोर ने राजीनामा स्वरूप पौधा भेंट किया। दोनों पति-पतनी ने एक-दूसरे को माला पहनाई।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य केंद्र में बच्चे की मौत पर हंगामा

डॉक्टर और नर्सों पर इलाज में लापरवाही बरतने और रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए परिजन बैठे धरने पर

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ

शाजापुर, जिला प्रशासन की सख्ती के बावजूद जिला अस्पताल में प्रसव के नाम पर स्टॉफ नर्सों के द्वारा अवैध रूप से वसूली किए जाने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं महिला चिकित्सक भी लगातार गर्भवती महिलाओं के इलाज में लापरवाही बरत रही हैं। यही कारण है कि प्रसव के बाद बच्चे की मौत हो जाने पर परिजनों ने जिला अस्पताल में जमकर हंगामा करते हुए धरना प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप था कि महिला चिकित्सक और स्टॉफ नर्सों की लापरवाही की वजह से मासूम की जान गई है। वहीं परिजनों ने स्टॉफ नर्स पर रुपए मांगे जाने का आरोप भी लगाया है। दरअसल लक्ष्मी नगर निवासी गर्भवती महिला को 12 सितंबर को शाजापुर जिला अस्पताल स्थित मातृ शिशु स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव हेतु भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि भर्ती कराए जाने के बाद से ही लगातार डॉक्टर प्रशस्ति मेहता के द्वारा इलाज में लापरवाही बरती जा रही थी तो वहीं स्टॉफ नर्सों के द्वारा भी नॉर्मल प्रसव कराने के नाम पर 2000 की राशि की मांग की जा रही थी। परिजनों ने बताया कि प्रसव के बाद तंदुरुस्त बच्चा पैदा हुआ था, किंतु मेटरनिटी विंग में पदस्थ स्टॉफ नर्स और महिला चिकित्सक के लापरवाही की

वजह से शनिवार को बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य केंद्र के बाहर धरना प्रदर्शन किया। परिजनों के आक्रोशित होकर प्रदर्शन करने की जानकारी लगने पर तहसीलदार मधु नायक और एसडीओपीप मौके पर पहुंचे तथा कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। परिजनों ने तहसीलदार को लिखित में डॉ प्रशस्ति मेहता तथा मेटरनिटी विंग में पदस्थ नर्सों की शिकायत कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मामले में सिविल सर्जन डॉक्टर एमके जोशी का कहना है कि लिखित में शिकायती आवेदन मिला है जिसकी सूक्ष्मता से जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ नियम अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्टॉफ नर्स के द्वारा प्रसव कराने के नाम पर की जा रही अवैध वसूली को लेकर भी सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही।

नर्सों की नही की जा रही अदला-बदली

गौरतलब है कि जिला अस्पताल के मेटरनिटी विंग में पदस्थ स्टॉफ नर्सों के द्वारा प्रसव के बाद परिजनों से ईनाम के तौर पर 2000 रुपये तक की राशि वसूल की जाती है। स्टॉफ नर्सों के द्वारा लगातार अवैध रूप से राशि लेने के मामले निरंतर सामने आते रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके उन पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसकी वजह से अवैध वसूली का काम बेखौफ होकर जारी है। वहीं नर्सों के द्वारा प्रसव के दौरान दर्द से कराह रही गर्भवती महिलाओं के साथ मारपीट करने के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं किंतु बावजूद इसके मेटरनिटी विंग में पदस्थ नर्सों की बदली नहीं की जा रही है जिसकी वजह से जिम्मेदारों की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान खड़ा हो रहा है।

डोल ग्यारस पर निकले देव विमान

अखाड़ों के पहलवानों ने दिखाए करतब

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ।

शाजापुर, भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों में विशेष पूजा के साथ शहर में डोल निकाले गए। वहीं दूसरी ओर नगर में अनेक स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रीकृष्ण भगवान के जलवा पूजन का पर्व मनाया गया और शनिवार को नगर के सभी राधा-कृष्ण मंदिरों में विशेष साजसज्जा के साथ विशेष पूजन का आयोजन किया गया। सांयकाल मंदिरों से भव्य देव विमान डोल निकाले गए, जिनमें राधाकृष्ण की प्रतिमाएं विराजमान थीं। शाम के समय नगर के विभिन्न मंदिरों से निकले डोल की जगह-जगह पूजा

अर्चना की गई। सबसे पहले शासकीय डोल किला प्रांगण से निकाला गया। इसके बाद देरशाम भावसार समाज, राठौर समाज, माली समाज, जुना गुजराती दर्जी समाज सहित लगभग एक दर्जन डोल निकले। डोल के साथ निकले अखाड़ों में नवयुवक अपनी कला के प्रदर्शन से सभी को प्रभावित कर रहे थे। अखाड़े के उस्तादों का जगह-जगह साफा बांध कर सम्मान किया गया।

5 बेटीयों के माता-पिता 70 वर्षीय हुए फिर एक दुजे के लोक अदालत में निपटा पुराना मामला

उज्जैन

आज के युग में पारिवारिक विवाद की जड़ एक छोटी सी भुल अच्छे खासे घर को तोड़ देती है जमीन व सास बहु के चक्कर में दम्पत्ति का आपसी सामंजस्य ना होने से परिवार बिखर जाता है ऐसे ही मामला खाचरोद नेशनल लोक अदालत में देखने को मीले। 5 बेटीयों के माता-पिता 70 वर्षीय दम्पति जमीन की छोटी सी बात पर अलग हुए, नेशनल लोक अदालत में न्यायधीशों की समझाईस से आज एक साथ रहने को राजी होकर समाज को संदेश भी दिया। एक

दुसरे को पुष्प माला पहनाकर पुनः घर बसाने को राजी हुए । पति रिटायर्ड रेल्वे कर्मचारी हैं राजीनामा होने पर पत्नी के नाम अपनी पेंशन भीकरदी। इसी तरह युवा दम्पति भी न्यायधीशों की काउंसलिंग से पुनः साथ रहने को राजी हुआ।

न्यायालय परिसर खाचरोद में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शोएब खान साहब द्वारा दीप प्रज्वलित कर व्यवहार न्यायाधीश पंकज बुटानी, न्यायाधीश सेफाली सिंह, अभिभाषक संघ खाचरोद अध्यक्ष प्रवीण पाण्डिया ने सरस्वती पूजन एवं माल्यार्पण कर सभी अभिभाषको के साथ विधिवत लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका खाचरोद ,कनिष्ठ यंत्री विद्दयुत विभाग बैंकों के अधिकारी उक्त कार्यक्रम में न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय मे, हिन्दू विवाह सिविल शूट , घरेलू हिंसा प्रकरणों आपसी समझौते से निराकरण किया गया। नगर पालिका जलकर व दुकान किराया, जलकर व बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन न्यायालय में लम्बित प्रकरणों का निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत में ना कोई हारता है और ना जीतता है यह बात बार उपाध्यक्ष सिराज मिर्जा एडवोकेट ने कही। यहां आपसी सहमति समझौता राजी मर्जी करवाकर प्रेम पूर्वक जीवन जीने की सीख दी जाती है, न्यायधीशों और बार सदस्यों की समझाइश से हृदय परिवर्तन होने से शिघ्रता से प्रकरणों को समाप्त कर सकते हैं जीस से न्यायलय के चक्करों ओर फिजुल खर्च के साथ समय की बचत रहती है

लोक अदालत में हुआ प्रकरणों का निराकरण

उज्जैन खाचरौद समरथ सेन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के निर्देशानुशार तहसील विधिक सेवा समिति खाचरोद द्वारा न्यायालय परिसर खाचरोद में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 10.50 बजे जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शोएब खान, शैफाली सिंह व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2, व्यवहार न्यायाधीश पंकज बुटानी द्वारा दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण कर एवं अभिभाषक संघ खाचरोद के अध्यक्ष प्रवीण पंड्या, अभिभाषक विद्युत मंडल कनिष्ठ यंत्री शशि रंजन, तथा नगरपालिका खाचरोद के समस्त पदाधिकारीगण एवम् न्यायालय खाचरोद के कर्मचारीगण द्वारा सरस्वती पूजन एवं माल्यार्पण कर लोक अदालत का शुभारंभ किया गया ।नगर पालिका खाचरोद के शुभारंभ कार्यक्रम में न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। आयोजित नेशनल लोक अदालत में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय मे, हिन्दू विवाह अधिनियम के 2 , सिविल एमजेसी प्रकरण 01, क्लेम प्रकरण 01 एवं विधुत अधिनियम के 10, क्रिमिनल अपील 01, 02 सिविल एमजेसी , इस प्रकार कुल 17 प्रकरणों का निराकरण किया गया ।न्यायाधीश शैफाली सिंह के न्यायलय के कुल 48 प्रकरण का निराकरण किया गया ।पंकज बुटानी व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 के न्यायालय के कुल 38 प्रकरणों का निराकरण किया गया ।नगर पालिका जलकर व दुकान किराया, जलकर, दूर संचार विभाग व बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन 650 प्रकरण में से 56 प्रकरणों का निराकारण हुआ, जिसमें 2451849 रुपये, विधुत विभाग के 570 प्रिलिटिगसन्न प्रकरण में 178 का निराकारण किया गया जिसमे 1194000 रुपये प्राप्त हुए। इस प्रकार न्यायालय में लम्बित प्रकरणों में से 103 प्रकरणों का निराकरण किया गया ।पति पत्नी के विवाद से संबंधित भरण पोषण तथा हिन्दू विवाह अधिनियम से संबंधित 03 प्रकरण का निराकरण किया गया ।

भिण्ड नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला की उपस्थिति में आगामी बुढ़वा मंगल की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक दंदरौआ धाम प्रांगण में आयोजित की गई। इस दौरान श्री रामदास जी महाराज, कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव, एडीएम श्री एलके पाण्डेय, एएसपी श्री संजीव पाठक, एसडीएम मेहगांव श्री नवनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

अशोकनगर कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने आज अशोकनगर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय पलकाटोरी स्कूल एवं सैटेलाइट प्राथमिक विद्यालय पलकाटोरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक विद्यालय पलकाटोरी के बच्चों से शिक्षकों द्वारा पढ़ाई जाने वाले पाठ्यक्रमों के बारे में प्रश्नों को पूछा। अधिकतम बच्चों ने सही जवाब दिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया। सैटेलाइट प्राथमिक विद्यालय पलकाटोरी के छात्रों का शैक्षणिक गुणवत्ता स्तर ठीक न पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए शिक्षा का स्तर सुधार किए जाने के निर्देश दिए।

शासकीय योजनाओं में लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें बैंकर्स: कलेक्टर सूर्यवंशी

बैतूल

बैंकों की त्रैमासिक डीएलसीसी, डीएलआरसी बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि सभी बैंक शासकीय योजनाओं में ऋृण स्वीकृत एवं वितरण के लक्ष्य अनुसार वार्षिक लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही बैंकों के जमा अनुपात को भी औसत तक बढ़ाए। श्री सूर्यवंशी कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैंकों की त्रैमासिक डीएलसीसी, डीएलआरसी बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला अग्रणी प्रबंधक श्री आशुतोष सिंह, सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, बैंकों के जिला समन्वयक एवं शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया भोपाल के प्रतिनिधि श्री नवीन सिंह भी वर्चुअली जुड़े थे।

वार्षिक साख योजना 2024-25 की बुकलेट का किया विमोचन कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में जिले की वार्षिक साख योजना 2024-25 की बुकलेट का विमोचन किया। एलडीएम श्री सिंह ने बताया कि बैतूल जिले में ग्रामीण क्षेत्र में 71, अर्ध ग्रामीण में 75 और शहरी क्षेत्र में 3 मिलाकर कुल 149 बैंक शाखाएं संचालित है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सभी बैंकर्स अपने-अपने बीसी और उसके कियोस्क संचालकों का सत्यापन करायें ताकि जिस व्यक्ति को अधिकृत किया गया है। उसका संचालन उसी व्यक्ति द्वारा उसी स्थान पर किया जा रहा है या नहीं। कम प्रगति वाले विभागों को शीघ्र प्रगति लाकर सभी विभागों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा दिए गए।

ग्रामीण क्षेत्रों में नए बैंक खोलने के दिए निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिले के ग्राम बरखेड़, चिल्लौर, दमजीपुरा एवं गुरुवापीपरिया में चार नए बैंक खोलने के प्रस्ताव पर बैंकों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा स्वामित्व योजना में सभी बैंकों को तत्काल 100 प्रकरण प्रति बैंक लक्ष्य निर्धारित किए गए। आर सेटी में प्रशिक्षण एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रगति की भी समीक्षा की गई। साथ ही संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना, बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, स्व सहायता समूह योजना, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना, पीएमएफएमई योजना, पीएम स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ढोल ग्यारस के उपलक्ष में डोले गांव में निकाले गए

बलवाड़ा ढोल ग्यारस के उपलक्ष में श्री कृष्ण श्री राम श्री सत्यनारायण मंदिर के डोले गांव में निकाले गए डोलो के आगे डीजे की धुन पर व ढोल ताशों की थाप पर युवा थिरक कर रहे थे। महिलाओं द्वारा श्री कृष्ण का जलवा पूजन पर हर घरपर पूजा की तथा डोलो के नीचे से निकल कर आशीर्वाद ग्रहण कर रहे थे। इस दौरान बलवाड़ा व्यापारी संघ द्वारा बंद रखकर डोलो का स्वागत किया बजार चौक मे श्रीराम मंदिर पर पंडित कपिल जोशी द्वारा तिनो ड़ोलो की महाआरति की गई ।महाआरती करते समय गुलाब के फुलो से बारिश कि गई । इसके पश्चात श्री सत्यनारायण मंदिर पर पंडित ओमप्रकाश शर्मा द्वारा एवं श्री राजेंद्र भार्गव द्वारा श्री कृष्ण मंदिर पर महाआरती की गई निस्तारी तालाब पर शीतला माता के सामने महा आरतीकी गई । बगोद फाटे पर भी हनुमान मंदिर से जुना बलवाड़ा हनुमान मंदिर तक ड़ोला निकाला गया ।

क्षतिग्रस्त पुल से निकलने को मजबूर बरखेरा ग्राम के लोग- कभी भी हो सकता है हादसा

ग्राम पंचायत करौंदी सिंगौरगढ़ के बरखेरा गांव में 400से500जनसंख्या हैं।ग्रामीणो ने कहा बड़ा पुल बन जाये तो हम लोगो को आवागमन में सुबिधा रहेगी

दमोह दमोह-जिले के तेन्दूखेड़ा जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत करौंदी सिंगौरगढ़ के बरखेरा गांव में 20साल पुराना पुल बना हुआ है जो क्षतिग्रस्त और जर्जर हो चुका है। तेजगढ़ मुख्यालय से लगभग 6 किलोमीटर दूर बरखेरा गांव करौंदी सिंगौरगढ़ पंचायत में आता है।जो परासई से होकर बरखेरा गांव तक पहुंच पाते हैं। जहां पर परासई और बरखेरा गांव के बीच से निकली गुरैया नदी पर पुल बना है।जो जर्जर और एव पुल की ऊँचाई बहुत कम है थोड़ी सी बारिश होने से ही पुल डूब जाता है।और लगभग8से 10 घण्टे तक पुल नही खुलता जिससे आवागमन बाधित हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में अस्पताल नहीं है परासई या तेजगढ़ या तेंदूखेड़ा नही तो दमोह जाना पड़ता है। अगर कुछ घटना हो जाए तो ग्रामीण पुल डूबने के कारण नही जा पाते।**बरखेरा गांव की जनसंख्या लगभग 400से 500 है।** ग्राम के देवनारायण ठाकुर, सत्येंद्र सिंह ,गिरन सिंह, गोपाल सिंह ,सुरेंद्र सिंह ,मुरारी सिंह, रोहित सिंह ,रूप सिंह ,हल्ले सिंह आदि ने बताया बताया कि बीते 2 दिनों पहले हुई तेज बारिश से पुल में दरार आ गई हैं।और नीचे की मिट्टी भी निकल गई है। जिससे पुल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।आवागमन चार दिन तक बाधित रहा है।एव ग्रामीणो का कहना है कि शासन प्रशासन से गुहार लगाते हैं कि पुल बन जाए जिससे बच्चों का स्कूल रोज़ाना जाना हो जाये।एव अन्य कार्यो के लिए इसी मार्ग से होकर जाना पड़ता है। एक ही रास्ता है बड़ा पुल बन जाय या फिर इसकी मरम्मत हो जाए तो सहूलियत रहेगी।नहीं तो एक न एक दिन बड़ा हादसा हो सकता है।गुरैया नदी में बहुत तेज बहाव रहता है हैं।जिससे कई मवेशी भी बह गए हैं।ग्रामीणो बताया कि लगभग सन 2004-05 में मंडी आर ई एस विभाग से सड़क व पुल का निर्माण कार्य हुआ था।लगभग20 बर्ष पहले का पुल हैं।जो पूर्ण रूप से जर्जर हालत खराब खराब हो गई है।इस संबंध में करौंदी सिंगौरगढ़ पंचायत सचिव कमल नारायण यादव से बात की तो उन्होंने बताया कि मैं,संबंधित अधिकारियों को अवगत करा कर मरम्मत कार्य व नये पुल की बात अधिकारियों के समक्ष पेश करूंगा ।

उच्च पद प्रभार की पदस्थापना के लिए हुई काउंसलिंग

खरगोन

जनजातीय कार्य विभाग में पारदर्शिता से दिए गए स्थान

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक से प्रधान पाठक एवं सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार दिया गया है। उक्त उच्च प्रभार के पश्चात उनकी पद स्थापना रिक्त पदों पर की जानी थी। जिसके लिए कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में एवं सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्या की अध्यक्षता में सहायक संचालक श्री एबी गुप्ता, क्षेत्र संयोजक श्री ए के श्रीवास्तव सहित जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों की समिति गठित की जाकर 13 सितंबर को समस्त उच्च पद प्रभार वाले शिक्षकों की काउंसलिंग की गई। स्थापना प्रभारी श्री शरद बर्वे ने बताया कि जिले में कुल 62 उच्च श्रेणी शिक्षकों को प्रधान पाठक पद का प्रभार दिया गया है जिसमें से 33 में नवीन पद स्थापना हेतु सहमति दी है एवं 23 शिक्षकों ने उच्च पद के प्रभार पर असहमति जताई, 05 अनुपस्थित रहे एवं 01 सेवानिवृत हैं। इसी प्रकार 69 सहायक शिक्षकों को उच्च श्रेणी शिक्षकों को उच्च श्रेणी शिक्षक का प्रभार दिया गया है। जिसमें 27 शिक्षकों ने सहमति दी है, 37 ने असहमति, 04 शिक्षक अनुपस्थित एवं 01 सेवानिवृत हैं। उक्त काउंसलिंग से पूर्व जिले में उपलब्ध समस्त रिक्त पदों की सूची सभी के समक्ष रखी गई एवं सभी के सामने पूर्ण पारदर्शिता से शासन द्वारा निर्धारित क्रम अनुसार एक-एक शिक्षक को बुलाकर उनके पसंद के स्थान भरवा गए। बाद में जिन्हें मनपसंद स्थान नहीं मिले ऐसे कुछ शिक्षकों द्वारा असहमति जताकर उच्च पद के प्रभार लेने से इंकार कर फॉर्म भरा गया। इस प्रकार पूर्ण पारदर्शिता पूर्वक इस प्रकार पदस्थापना करने पर शिक्षकों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

टीबी से पीड़ित व्यक्ति उपचार और पोषण आहार से निरोग व स्वस्थ हो जाता है - मंत्री श्रीमती संपतिया

नारायणगंज को टीबी मुक्त विकासखंड बनाने के लिए अभियान चलाया जाएगा

मंडला

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा टीबी मुक्त पंचायतों को तृतीय वर्ष में महात्मा गांधी की स्वर्ण प्रतिमा दी जाएगी

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री Sampatiya Uikey ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च 2023 को टी बी मुक्त भारत करने का अभियान प्रारंभ किया था। जिसका उद्देश्य था कि सभी नागरिक टी बी मुक्त होकर निरोग व स्वस्थ रहें। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को पूरा करने के लिए मंडला जिले की 60 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त पंचायत बन गई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के इस अभियान को सफल बनाने पर सभी ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिवों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके शनिवार को जिला योजना भवन मंडला में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित टी बी मुक्त पंचायत पुरूस्कार एवं वितरण समारोह को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, जिला पंचायत सदस्य व सभापति संचार एवं संकर्म निर्माण समिति जिला पंचायत श्री शैलेष मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केसी सरौते, सिविल सर्जन श्री विजय धुर्वे सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम पंचायतों से पहुंचे सरपंच एवं सचिव मौजूद थे। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने दीप प्रज्वलित कर पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभागीय अधिकारियों के द्वारा मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, जिला पंचायत सदस्य श्री शैलेष मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा का पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने आयोजित कार्यक्रम में मंडला जिले के 60 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त होने पर महात्मा गांधी जी की कांस्य प्रतिमा पुरूस्कार स्वरूप प्रदान की।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री जी के संकल्पों को पूरा करते हुए ग्राम पंचायतें टी बी मुक्त हो चुकी हैं। इन ग्राम पंचायतों ने जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री जी के संकल्पों को धरातल पर उतार दिया है। इसके लिए इन ग्राम पंचायतों को महात्मा गांधी जी की कांस्य प्रतिमा पुरूस्कार स्वरूप प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि द्वितीय वर्ष में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत होने पर महात्मा गांधी की रजत प्रतिमा तथा तृतीय वर्ष में टीबी मुक्त होने पर ग्राम पंचायत को महात्मा गांधी की स्वर्ण प्रतिमा प्रदान की जाएगी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि ग्राम पंचायतों के द्वारा टीबी मुक्त होने पर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है कि ग्राम पंचायतों ने बहुत ही पुण्य का काम किया है। ग्राम पंचायतों के द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना, सेवाभाव से काम करना और नागरिकों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना प्रमुख कार्य है। ग्राम पंचायतों के द्वारा इन कार्यों को प्रमुखता से किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी के इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए मंडला जिले के नारायणगंज विकासखंड को टीबी मुक्त बनाया जाएगा। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नारायणगंज विकासखंड की ग्राम पंचायतों में टीबी मुक्त अभियान को सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए जिला स्तर से भी अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। इस अभियान के तहत डोर टू डोर संपर्क, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में अभियान तथा विशेष शिविर लगाए जाएंगे। जिससे टीबी से प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उनका समुचित उपचार किया जा सके। इस अभियान में पंचायत स्तर पर सरपंच एवं सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और इस अभियान को सफल बनाने पर उन्हें पुरूस्कार वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने इस अभियान को जन आंदोलन बनाते हुए इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मंडला जिले को टीबी मुक्त बनाकर पूरे प्रदेश में मिशाल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। जिससे हमारे जिले से प्रेरणा पाकर इस अभियान को अन्य जिले भी अपना सकें। उन्होंने इस अभियान को लगातार जारी रखने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट ने बताया कि टीबी एक जानलेवा बीमारी है। इससे व्यक्ति खांसता और छींकता है। इसके वायरस दूसरे व्यक्तियों को भी प्रभावित करता है, जिससे यह टीबी का रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैलता है। उन्होंने बताया कि टीबी का इलाज सरल और संभव है, इससे किसी भी व्यक्ति को डरने की जरूरत नहीं है। जिला चिकित्सालय मंडला सहित अन्य अभियान के दौरान टीबी मरीजों का समुचित उपचार किया जाता है। लगातार उपचार होने से टीबी से प्रभावित मरीज टीबी मुक्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि मंडला जिले की 60 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त होने के सूचकांकों को पूरा कर लिया है। इस कारण इन ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कर पुरूस्कार प्रदान किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इस अवसर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के लिए चलाए गए अभियान जैसे मोबाईल वेन के माध्यम से प्रचार, डोर टू डोर संपर्क, स्कूल, ग्राम पंचायत एवं महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर शिविरों का आयोजन, टीबी मरीजों का उपचार, स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद, लगातार जांच परीक्षण एवं अच्छे काम करने वालों का सम्मान करने के बारे में विस्तार से बताया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए, टीम इंडिया की लगातार पांचवीं जीत

बीजिंग। एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। मुकाबला चीन में हुलुनबुइर के मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेला गया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार पांचवीं जीत है। भारत के लिए दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। पाकिस्तान की ओर से अहमद नदीम ने गोल किया। भारत 5 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। जबकि पाकिस्तान 5 में से 2 मुकाबले जीतकर दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। मुकाबले के दौरान पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला का पहला गोल पहले क्वार्टर के 7वें मिनट में पाकिस्तान के अहमद नदीम ने किया। यहां शाहीन ने शॉट खेलते हुए डी के अंदर बॉल डाली थी, जिसे नदीम ने डिफ्लेक्ट करके गोल कर दिया। इसी के साथ पाकिस्तान इस मुकाबले में 1-0 से आगे हो गया। इसके बाद 13वें मिनट में भारत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में कन्वर्ट करके बराबरी कर ली। हरमनप्रीत सिंह ने गोल पोस्ट के राइट कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक करके गोल किया।

भारत की पाकिस्तान पर 8वीं जीत दूसरे क्वार्टर की शुरुआत (19वें मिनट) में भारत को कप्तान हरमनप्रीत ने बढ़त दिला दी। अभिषेक के इंजेक्ट पर हरमनप्रीत ने गोल पोस्ट के सेंटर में शॉट लिया। यही गोल निर्णायक साबित हुआ। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की पाकिस्तान पर यह 8वीं जीत है। दोनों टीमों के बीच यह 12वां मुकाबला था। इस दौरान पाकिस्तान केवल 2 मैच जीत सका है। वहीं 2 मैच ड्रॉ रहे हैं।

कल खेला जाएगा सेमीफाइनल भारत के साथ इस टूर्नामेंट में चीन, कोरिया, जापान, मलेशिया, और पाकिस्तान भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल 16 और फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की शुरूआत 13 साल पहले 2011 में हुई थी। भारतीय हॉकी टीम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की डिफेंडिंग चैंपियन है। भारत ने चार और पाकिस्तान ने तीन बार खिताब जीता है। वहीं 2021 में साउथ कोरिया ने टाइटल जीता था।

सुबह- सुबह खाटू श्याम मंदिर जा रहे एक परिवार की कार का हाईवे पर

भीषण एक्सीडेंट, 6 की मौत, 3 घायल

नेशनल डेस्क। राजस्थान में आज सुबह करीब साढ़े 4 बजे जयपुर नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक ईको कार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस फिलहाल उस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है, जिसने इस हादसे को अंजाम दिया। घायलों ने पुलिस को बताया कि पीछे से टक्कर लगने के बाद कार बुरी तरह पिचक गई और सड़क से उतरकर झाड़ियों में जा गिरी। बूंदी की एसपी उमा शर्मा ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार गांव हिंडोली के पास मिली। कार में लोग फंसे हुए थे, जबकि कुछ लोग बाहर पड़े हुए थे। हादसे में 6 लोगों की मौत हो चुकी थी और 3 गंभीर रूप से घायल थे। घायलों के अनुसार, सभी लोग उत्तर प्रदेश के देवास शहर के निवासी थे और खाटू श्याम मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।

चीन में नया खेल शुरू !

बेवफा पतियों को काबू में रखने के लिए महिलाओं को दी जा रही अनोखी ट्रेनिंग

चीन में एक अनोखे और दिलचस्प चलन सामने आया है जिनमें बेवफा पतियों को काबू में रखने के लिए महिलाओं को अनोखी ट्रेनिंग दी जा रही है। चीन में मध्यम आयु वर्ग की पत्नियों के लिए ये ट्रेनिंग कैंप शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य उन्हें अपने पतियों को आकर्षित करने और उन्हें विवाहेतर संबंधों से रोकने के लिए सेडक्सन (प्रलोभन) की तकनीक सिखाना है। इन कैंपों का उद्देश्य पत्नियों को उनकी शादीशुदा जिंदगी में सुधार लाने और अपने पतियों का ध्यान आकर्षित करने में मदद करना है। इस ट्रेनिंग को सेक्स अपील ट्रेनिंग कैंप कहा जाता है और इसे खासतौर पर मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह कैंप चीन के कई हिस्सों में चलाया जा रहा है, खासकर उन महिलाओं के लिए जो शादी के लंबे समय बाद अपने पतियों के प्रति आकर्षण बनाए रखने में कठिनाई महसूस करती हैं। इस ट्रेनिंग को महिलाओं को आत्म-विश्वास बढ़ाने और अपने शरीर की देखभाल करने के साथ-साथ अपने पतियों के प्रति एक नया आकर्षण विकसित करने में मदद करना है। इस कैंप का आयोजन जुलाई 2024 में पूर्वी चीन के हांगझोउ शहर में किया गया था। दो दिन के इस कैंप में हर प्रतिभागी से लगभग 2,999 युआन (₹400) की फीस ली गई। इस कैंप में 35 से 55 साल की महिलाएं शामिल हुई, जिनमें से कई अपने वैवाहिक जीवन में कठिनाइयों का सामना कर रही थीं।

चीन में तलाक के मामलों में वृद्धि और विवाहेतर संबंधों की बढ़ती घटनाओं के बीच इस ट्रेनिंग कैंप की आवश्यकता महसूस की गई है। कई पत्नियों को यह डर रहता है कि उनके पति उन्हें धोखा दे सकते हैं या उनके रिश्ते में ठंडापन आ सकता है। इसलिए, इन कैंपों में महिलाओं को खुद को आत्म-निर्भर और आकर्षक बनाए रखने के लिए ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि उनके पति किसी और की ओर आकर्षित न हों। इस ट्रेनिंग कैंप में कई महिलाएं आई, जिनमें से कुछ ने अपने पतियों की बेवफाई का सामना किया था और अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रही थीं। एक 54 वर्षीय महिला ने साझा किया कि उसने अपने बेटे के सहपाठी के प्रति आकर्षण महसूस करना शुरू कर दिया था और उसे अपने आकर्षण में कमी की चिंता थी।

ट्रेनिंग में और क्या सिखाया जाता है?

महिलाओं को प्रेम का सार पर व्याख्यान दिए गए और उन्हें शारीरिक संबंधों में आनंद प्राप्त करने की तकनीकें सिखाई गईं। महिलाओं को किस करना, कामुक नृत्य करना, और शारीरिक आकर्षण बढ़ाने के तरीके सिखाए गए। उन्हें शारीरिक रूप से आकर्षक दिखने और पति के साथ इंटिमेट मोमेंट्स में कैसे आकर्षक दिखा जा सकता है, इसकी भी ट्रेनिंग दी गई। इसमें योग, जुम्बा और अन्य एक्सरसाइज़ शामिल हैं, ताकि महिलाएं शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट रह सकें। महिलाओं को अपने शरीर के प्रति आत्म-विश्वास बढ़ाने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाते हैं। इसमें यह सिखाया जाता है कि कैसे वे अपने आत्म-सम्मान को बढ़ा सकती हैं और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकती हैं। इस ट्रेनिंग में मेकअप, फैशन और स्टाइलिंग के गुर भी सिखाए जाते हैं, ताकि महिलाएं अपने पतियों के सामने आकर्षक दिख सकें। महिलाओं को सिखाया जाता है कि कैसे वे अपने पति के साथ भावनात्मक और शारीरिक संबंधों को मजबूत बना सकती हैं। उन्हें पति-पत्नी के बीच संवाद बेहतर करने और रोमांस को पुन: जागृत करने की तकनीकें भी सिखाई जाती हैं। इस ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य पत्नियों को यह सिखाना है कि वे अपने शादीशुदा जीवन में नई ऊर्जा कैसे ला सकती हैं। उन्हें यह भी समझाया जाता है कि रिश्तों में नियमित रूप से काम करने और एक-दूसरे का ध्यान रखने से धोखा या विवाहेतर संबंधों की संभावनाएं कम हो सकती हैं।

हालांकि, इस कैंप का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके आत्म-विश्वास को बढ़ावा देना है, लेकिन इसे लेकर विवाद भी उठ रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि यह ट्रेनिंग महिलाओं पर अनावश्यक दबाव डालती है कि वे अपने पति के लिए हर समय आकर्षक बनी रहें। आलोचकों का मानना है कि रिश्ते की मजबूती केवल शारीरिक आकर्षण पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि आपसी समझ, संवाद और विश्वास पर होनी चाहिए। चीन में यह कैंप विशेष रूप से मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जो अपने शादीशुदा जीवन में नई ताजगी लाने की कोशिश कर रही हैं। कई महिलाएं इस ट्रेनिंग से सकारात्मक बदलाव महसूस कर रही हैं, जबकि कुछ इसे पारंपरिक संबंधों को बदलने का एक दबावपूर्ण तरीका मान रही हैं।

मेरठ हादसे में अब तक 10 लोगों की दर्दनाक मौत, ढह गई थी 3 मंजिला इमारत

रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी NDRF की टीम

उत्तर प्रदेश के मेरठ में जाकिर कॉलोनी में तीन मंजिला मकान गिरने से एक ही परिवार के 10 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। मेरठ जिला प्रशासन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार जाकिर कॉलोनी में तीन मंजिला मकान गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई, वहीं अभी दो लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है बयान के अनुसार मृतकों की पहचान साजिद (40), पुत्री सानिया (15), पुत्र साकिब (11), सिमरा (डेढ़ वर्ष), रीजा (सात), नफ्फो (63), फरहाना (20), अलीशा (18) और आलिया (छह) के रूप में हुई है। दुर्घटना में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका उपचार किया जा रहा है। राज्य के राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से सुबह जारी एक बयान में कहा गया था कि मकान के अचानक ढहने से मलबे में 15 लोग दब गए। अब तक कुल 13 लोगों को मलबे से निकाला जा चुका है जिनमें से 10 की मौत हो गई, पांच घायलों को लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। शेष को मलबे से निकालने का प्रयास जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम को हुई जिसकी जानकारी तत्काल आपात सेवाओं को दी गई। बचाव अभियान की निगरानी के लिए मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) डी के ठाकुर, मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नचिकेता झा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा समेत वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल, दमकल विभाग और पुलिस की टीम मलबे से लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। शनिवार शाम से शुरू हुआ राहत और बचाव कार्य रविवार को भी जारी है।

हरियाणा को मिली एक और लंबी दूरी की ट्रेन की सौगात

ये रहेगा शेड्यूल... इन स्टेशनों पर करेगी ठहराव

भिवानी: हरियाणा में रेलयात्रियों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पश्चिम रेलवे इंदौर से भिवानी के बीच अक्टूबर से स्पेशल ट्रेन शुरू कर रहा है, जो सप्ताह में तीन दिन चलेगी। इंदौर से ट्रेन का संचालन 13 अक्टूबर से 29 दिसंबर तक किया जाएगा जबकि भिवानी से यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 30 दिसंबर तक चलेगी मिली जानकारी के अनुसार इंदौर- भिवानी स्पेशल ट्रेन 13 अक्टूबर से 29 दिसंबर के बीच हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार शाम 7.20 बजे इंदौर से चलकर हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार दोपहर 1.05 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में भिवानी- इंदौर स्पेशल ट्रेन तय अवधि में हर मंगलवार और शनिवार दोपहर 2.50 बजे भिवानी से रवाना होकर बुधवार और रविवार सुबह 7 बजे इंदौर आगमन करेगी। आईसीएफ कोच से चलने वाली ट्रेन में एसी श्रेणी के अलावा स्लीपर और सामान्य श्रेणी समेत 22 कोच लगाए जाएंगे। बीच रास्ते यह ट्रेन दोनों दिशाओं में फतेहाबाद, बड़नगर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, जयपुर, दौसा, अलवर और रेवाड़ी समेत अन्य स्टेशनों पर ठहराव करते हुए अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचेगी।

गर्मी गई तो अब ठंड निकालेगी दम...3 दिन भारी बारिश

नेशनल डेस्क। मानसून विदा लेने वाला है, लेकिन ठंड ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार, इस साल ठंड काफी तेज़ पड़ने की संभावना है, जिसमें कई राज्यों में तापमान 3 डिग्री तक या माइनस में जा सकता है। चूंकि मानसून पूरी तरह से गया नहीं है, इसलिए कई क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। सुबह-शाम अब उमस कम और ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। पिछले एक महीने से रोज बारिश हो रही है, और मौसम विभाग ने अगले 3 दिन और बारिश का अनुमान जताया है। आइए, जानते हैं कि आज और अगले 2 दिनों में मौसम कैसा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, आज शाम तक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश होने के आसार हैं। अगले हफ्ते पश्चिमी और मध्य भारत में भी अच्छी बारिश हो सकती है। 15 से 17 सितंबर और 17 से 18 सितंबर के बीच मध्य प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। बांग्लादेश के पास समुद्र में दबाव का क्षेत्र बनने के कारण 15 से 20 सितंबर के बीच समुद्र तटीय राज्यों और उनके सटे इलाकों में भी बारिश के आसार हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के नोएडा क्षेत्र में पिछले 3 दिनों से रोज बारिश हो रही है। हालांकि, बीते दिन कुछ धूप भी खिली, लेकिन बादल छाए रहे और शाम को बारिश के साथ हवाएं चलीं। आज रविवार को भी बादल छाए रह सकते हैं, जहां अधिकतम तापमान 33एड और न्यूनतम 23एड के आसपास रहेगा। कल सोमवार को दिल्ली का मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। 17 से 19 सितंबर के बीच 3 दिन बारिश हो सकती है। 20 सितंबर के बाद मौसम में बदलाव आएगा और बारिश की संभावना कम हो जाएगी, लेकिन ठंड बढ़ने का एहसास होने लगेगा। आज सुबह भी हवाओं के साथ मौसम में ठंडक महसूस की गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569